दुरंग को कोरे अद जना?

(गीत कहाँ खो गये?)

मुण्डारी-हिंदी लघुकथा संग्रह



मंगल सिंह मुण्डा

दुरंग को कोरे अद जना?

(गीत कहाँ खो गये?)

मुण्डारी-हिंदी लघुकथा संग्रह

दुरंग को कोरे अद जना?

(गीत कहाँ खो गये?)

मुण्डारी-हिंदी लघुकथा संग्रह

मंगल सिंह मुण्डा

प्रकाशक
झारखण्ड झरोखा, राँची

ISBN : 978-93-81720-30-1

प्रथम संस्करण : 2013

प्रकाशक : झारखण्ड झरोखा

दुकान न.– डी. जी. 03

न्यू बिल्डिंग, न्यू मार्केट,

रातू रोड, राँची, (झारखण्ड), पिन न. 834001

मो. 09973112040, 09471160792

ई–मेल : jharkhandjharokharanchi@gmail.com

मुख्य वितरक : क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी

28, शॉपिंग सेन्टर, कर्मपूरा, न्यू दिल्ली–110 015

दूरभाष : (ऑ) 25465978, 65903449 (निवास) : 28542847

ई–मेल : classicalpc@gmail.com

अजिल्द : ~~150.00~~ 100/-

सजिल्द : 250.00

DURANG KO KOREY ADH JANA? (Geet kaha kho gaye?)

Mundari-Hindi Short Stories By Mangal Singh Munda

ओओल नियाः

दुरंग को कोरे अद जना? (गीत कहाँ खो गये?) खाटो कानी–जुम्बुली आईयाः एनेटेः ओनोल तनाः। नेका आईमोः तना चि अबुआ स्कूल कॉलेज कोरे मुण्डा भाषा पढ़ाव तेय किताब को पुरः गे खोम गेया। एना को ठोर जलोः गे आईग हुड़िग–हुड़िग नेका नः को ओल बेड़ाईग आचुए कना।

अगर नेया खाटो कानी जुम्बुली पढ़ाव होड़ो को साते–साते, रे मुण्डा भाषा रेन पढ़ाव कोआः नगेन कामि रे हिजुः जना तोवे दो आईग आईग रे खूब सुकुईयां।

लेखकीय

दुरंग को कोरे अद जना? (गीत कहाँ खो गये?) मेरा प्रथम मुण्डारी लघुकथा संग्रह है। ऐसा सुना जाता है कि हमारी क्षेत्रीय भाषा (मुण्डारी) में पढ़ाई की जाने वाली पुस्तकों की भारी कमी है। इसी को ध्यान में रखते हुए मैं मुण्डारी में कुछ न कुछ लिखते रहता हूं।

यदि यह लघुकथा संग्रह आम पाठकों के साथ–साथ मुण्डा भाषा के विद्यार्थियों के भी काम आ जाए तो मैं अपने आपको धन्य समझूंगा।

मंगल सिंह मुण्डा

तिरला, खूँटी

2011

संगोम/अनुक्रम

डार्विन आर बकरा

हार जद मेरोम को मेसे रे मियद तकाव–तकाव बकरा मेरोम खासी बगाव होड़ो के: मेतई तना.... ओड़ो: चिमिनंग दूर गोमके! ओड़ो: काईंग सेन दाड़ि तना। लगा तेदोईंग बलय चबा जना।

गोमकेय: होनेम तेयारा कना अमगे गोएवो: तना का। कम लेल जद कोवा अम: दादा: दाई तको चिलका को निरे–सेन जदा। दोला ओड़ो: ताला गाउदी सेन होबावगा। अम हद गोए तेय: कातु अम: मायोम नू नगेने: अलय–बलय चबा जना–खासी बगाव होड़ो इनि: के देया रे मिद साटी: फड़सव ज:ई लो:ए गर्जव केदा।

मेन्दो गोमके न: दो मिद ईंचव अयर ते काई चंडाग दड़िय:। आईय: काटा–ती कोगे का एंकलव तना। होड़ोमो को लो तन लेका हासु न:ईया। शैतान कम सेन दड़िया:... इनि: के लुतुर सब केया: ते संडका रे: ओर ज:ईया।

गो...गोमके हों.हों अलोम ओरेईयाँ, गोजोगईयं। मोचो कोए आईग रे दय्रा नो:ए मे। गोमके, आईंग अमागा: चन:ईंग बगाड़ावा कदा? आईंग दो भोगोमन ओम त: ईंग तसद–रूड़: पतड़ा कोगेईंग जोम तना। नागे ओकोया: ईंग कुम्बुडु तने। ओकोया: अड़ा: सक़म गेईंग टुसा तद। इमिन रेव आईया: चेतन रे निमि नंग जोर जुल्म रिकाव तना चिलका ते?

हा..हा..हा..फूसी का रेदो अम मेन जदा का:ईंग गलती तदा। अल्हा: किरिया–कसम आईंग काजि जदा चि अम पुर: गे मरंग एम गलती तदा। ने दिसुम से कोमजोरी बईन केया ते जोनोमेम आउना नेया गे अम: मरंग गलती। डार्विन अम: विषय रे चन:ए कजि तुका कदा, इतुआनम? इनि: ओड़ो मिद सटी: फड़सव ज:ई लो:ए गर्जव केदा।

गो...गोमके...ने लेकन होड़ो ओकोए होबा दड़िवोगा? बकरा अकादंदा तन लो: ए कुलि किया।

हपेन में बकरा कारे। इनिया: लुतुम, हातु–कातु कोम इतुई रेदो कयरव तेम कोंका चबावगा। चिलका ते चि इनि: गे अम: नेकन दशाए बाई तुका क: मा। का रेदो अलंग: ताला रे जेतन फारका बनोगा। आर मेन: रेव गे

अम उपुनिया काटा तिनिः आर आईंग बरिया काटा तिनिः, बस। हे इनिः काजि तुका कदा—"ओको जीव जीदेन रेयाः उडुः आर पेड़ेः जोगव दड़ियाः इनिः गे जीदेन रेयाः लाईकिः जोगाव दड़ियाः। आर सुगड़ाव गे इनिः पुरः मेनःईया।'

माने दो नेया चि अम कमजोरीम आउना। एना मेन्ते अम गोएःन नगेन तैयर ताईन में। आईंग अमा ते पेड़ेः गरंग मेनः ईया। एना मेन्ते अम चेतन रे आईयाः हथेयार उईउः रः अधिकार, हक मेनः, ठोर केदम?

नेया कजि को आईउम केद लोः गे बकराः चेहरा बा लेका आला रकब जना। आरेः कजियाई तना—इनिः एदकन होड़ो का ननिः होड़ो गे तनिः। इनिः आईयाः सोंगे तनिः। आईयाः जी रः दीया तनिः ने होड़ो सरते गे ने धरती रेन मरंग होड़ोए तईकेना उकनिः चि भोगोमन आर आएयाः बई तद चीज वस्तु कोए लेल उरूम लः हे सेन होरा होड़ो तिसिंग अगर अम बंग मेरे दो होनंग आईयाः दिसुम बंजी कुड़ि लेका नाई जना। का, नः दो तसद रूड़ाः को हरा—मतावगा। लेले पे लेले पे नवा—नवा दुबी नसद को ओमोन अगुआ कना। दारू कोरे बा—मोए को लेलोः तना। एन कोरे बा के आला कना। सकाम को गसा—गसा तना। नाड़ी—कोतो को चोपोः बेड़ तना। मड़ी—मड़ी सुगड़ सोअन होएवो को लिंगी तना। ने बुरू गाड़ा को...ने सुड़ी होरा को...चन्डुः सिंगि किंग..: चेंड़े कोआः चें चें...हुरूम सुकु कोआ रों..रों.. एला एला डार्विन एला बोदे हिंजुः में। तिसिंग आईंग अमके मेद पेरेः लेल मोने जःईया। आईयाः जी रेन दीया डार्विन...एला बोदे हिजुः में...। एन लोः बकरा मेंद पेरेः अरिद केदा। मोचा पेरेः लन्दा तना। बगाव होड़ो गोः तःई रेव तरन चेतन रेः लन्दा तन रसिका तना, बिना लगा को लोः बिना उडुः को लो....।

• • •

डार्विन और बकरा

हांके जा रहे बकरियों की जमात में से एक मरियल बकरे ने कसाई से कहा – 'और कितना दूर मालिक। मुझसे तो और चला नहीं जाता। थक कर चूर–चूर हो गया हूं।'

''मालिक के बच्चे, तुम्हीं मरे जा रहे हो। देखते नहीं तेरे अन्य भाई–बहन केसे दौड़े जा रहे हैं। चल और आध कोस चलना है।'' कसाई खाने के खूनी कटारी तेरे खून के प्यास में ब्याकुल हो उठे हैं।...कसाई ने एक बेंत पीठ पर रसीद करते हुए दहाड़ा।

''लेकिन मालिक, अब इंच भर चलना दूभर हो गया। मेरे पांव जवाब देने लगे हैं। देह जल कर राख हुआ जा रहा है।''

''मरदूद, चल नहीं सकता?....'' वह कान पकड़कर सड़क पर घसीटने लगा।

''मालिक....मा....मालिक.... मैं मर जाऊँगा। मुझ पर रहम तो करो। मालिक मैंने क्या बिगाड़ा है आपका? मैं तो सिर्फ प्रकृति का दिया हुआ खाता हूं। न किसी की चोरी की है, और न किसी की फसल बलात हजम किया। फिर जीते जी मुझ पर इतना घोर जुल्म क्यों किया जा रहा है?''

हा...हा...हा...पाजी कहीं के, तू कहता है जुल्म नहीं किया है? अल्हा की कसम, मैं कहता हूं तू भारी जुल्म किया है। दुनिया में निर्बल बनकर जीने का जुल्म किया है, तूने। डार्विन ने तेरे विषय में क्या कहा, जानता है?....उसने एक बेंत और रसीद करते हुए दहाड़ा।

''मा....मालिक वह शख्स कौन हो सकता है?''...बकरे ने साश्चर्य कराहते हुए पूछा।

''चुप भी रहो, बकरे। उस दुष्ट का अता–पता जान लोगे तो गुस्से से पागल हो जाओगे। क्योंकि उसने ही यह सूरत बना रखी है। वरना तेरे मेरे बीच में यह बेदर्दीपन क्यों?है तो भी तू चौपाया जानवर, मैं दो पाया। हां तो उसने कहा था...''जो प्राणी जीने की योग्यता और शक्ति रखते हैं, वे ही जीने योग्य हैं और श्रेष्ठ भी। यानी तुम निर्बल हो। अतः सबल के सामने तुम्हें मरने

के लिए तैयार हो जाना चाहिए। मैं तेरे से बलवान हूं। अतः मुझ पर जुल्म ढाने का अधिकार है, समझे?''

यह सुनना था कि बकरे के चेहरे पर एक अजीब रौनक तैर गया। उसने प्रसन्नचित मुद्रा में कहा कि...दुष्ट नहीं मित्र है मालिक। मेरा जीवन–ज्योति है। वह इंसान निश्चय ही पृथ्वी में महान रहा है, जिसने विधि और विधान को साक्षात रूप में पहचाना। हे अनजान राही! आज तू न होता तो मेरा जीवन संसार बंजर बन कर रह जाता। नहीं, अब वह आबाद होगा। देखो, नये–नये दूब उग आये हैं। पेड़ों पर कलियां खिल–खिल रही हैं। उन पर फूल हंस रहे हैं। पत्तियां गा रही हैं। लता–लरंग आलिंगनबद्ध होने को आतुर हो रही हैं। मंद–मंद वासंती–बयार बह रही है। ये नदी–नाले, पहाड़, पगडण्डी! ये चांद सितारे....ये पंक्षियों का कलरव...भौंरों का गुंजन....अहा डार्विन! आओ! आज तुम्हें जी भर के निहार लूं। मेरे जीवन ज्योति डार्विन आ.... ।

तत्क्षण, बकरे ने जी भर कर पलकें खोली। होंठ भर मुस्कुराया। कसाई के कंधे पर भी वह मुस्कुराता रहा। निश्चल। अपलक। अथक और चिरंतन।

• • •

कामि–जोनोका

संडका अतोम रे रूडुआ कन होड़ो कोतः रे इनिः उईउः लुतुर केया तेः कजिया को तनाः "आबा को एयंग को बरसिंग आतेईंग समा कना...बर पैसा ओमाईंग पे...आबा को...एयंग को...। मेन्दो जाँएयाः बुगुलिया ते मियद दोकोड़ा सोमते का उडुंग जना। हे, अठाउरी पत्रा पंजी लेल तन पण्डित जी जरूडु चार आना सिकीः तेरःईया। एन बाद इनिः आईंग तःए हिजुः लेना।

साहेब लेकाईंग बाईन तन लोः दु टाका रः लोटोईंग सबःईया। साब अम पुरः गे बुगिन...। नेयाय कजि जद लोः गे नी ते अयद ते सेनोः रःईंग चुन्डुलाई तना। ओड़ोः चिल काईंग ठोर केद चि रः रूड़ा ःईया।

अमः लुतुम चनाः आर ओको रेम ताईम तना? – रीजेंट सिगरेट रः सुकुल रे चुड़ी बाई जद लोः ईंग कजियाई तना।

साब, आईया एंगा–जपु बंकुआ। आईयाः ओड़ा दुवारो बनोगा। हवड़ा पुल लतर रेईंग हारा–माता कना। असि केया तेइंग जोम तना। ओते कोरे गेईंग अंग अईउब तना, नेका गे। लुतुम दो गोपाल साब।

जू सेनोः में – सिगरेट रः तोरोए कोटा गिड़ि केद लोः ईंग कजियाई तना। इनिः सेनोः जना।

मोड़े सिरमा बिताव जन तएओम ते नगेंद्र ज्वेलरी दुकान रेईंग सेना कना।

नमस्कार साब।

ओ हो गोपाल नाः जकेद कम रिड़िंग तःईंग!

चिलका तेईंग रिड़िग मा साब, एन हुलंग दुटकाम ओम लिःईंग। हे तो बे दो कजि में ती रे नेया चांदी डुबुरी आर पोकेट रे पास बुक।

साब अम पुरः गे इमन होड़ो तन में। एना मेन्ते आईंग अम तः रे जेता नः व काईंग उकुईया। आईंग के अल्हा चिलका इदुई हुकुमः ईंग पुरः गे सिदा रे मियद चाँदी रः डुबुरी किरिंग रः मोने ताईकेना। आर आईयाः जमा तद पेसा कोआ तेगे....।

मेन्दो चनः मेन्ते चांदी रः डुबुरी, टिन रः चनः मेन्ते कम किरिंग केदा?

का साब, आईय, सोंगे कोईंग कजि तः कोआ चि आईंग गोए जन ताएयोम ते नेया को अकिरिंग केया ते आईयाः टुन्डू कजि कमि को परोमेका।

आईयाः मेदकिंग जुल जना। आर एन लोः गे नगेंद्र दुकानदार लोः सोना रःईंग कारबार एटेः केदा।

• • •

योजना

सड़क के चौराहे पर तसल्ली ले रहे लोगों के सामने वह गिड़गिड़ा रहा था। बाबू जी...मां जी, मैं दू दिन का भूखा...दू पैसा दे दो...बाबू जी.... ।

पर किसी के पॉकिट से एक फूटी कौड़ी तक न निकली। हां, साप्ताहिक राशिफल पर उलझे पंडित जी ने जरूर चवन्नी का एक सिक्का फेंका था। इसके बाद मेरे पास आया।

"साहबगिरि" का अदब फर्माते हुए मैंने दो का नोट थमा दिया।

साब, आप बौत...मैंने हाथ से आगे बढ़ने का इशारा किया। कैसा मन हुआ फिर बुला लिया।

"तेरा नाम क्या, कहाँ रहता है"....रीजेंट के धुएं से चूड़ियां बनाते हुए मैंने बकझक किया।"

"अपन को कोई माई–बाप नहीं साब, कहां रहेगा। हावड़ा ब्रिज के नीचे बड़ा हुआ। मांग कर खाता, फुटपाथ पर सोता, बस। नाम गोपाल है, साब।"

"जाओ...." सिगरेट से राख झाड़ते हुए रोब जमाया। वह चला गया।

पांच महीने बीत गये थे। इत्तेफाक से मुझे नगेंद्र ज्वेलरी में जाना पड़ा था।

"नमस्कार साब"

अरे, गोपाल तू मुझे भूला नहीं?

कैसे भूलता साब, उस रोज आप दु रूपैया... ।

हां तो बोलो, यह चांदी की तश्तरी और पॉकेट में पास बुक।

साब, आप बौत दिलदार आदमी हैं। इसलिए अपन कुछ नहीं छिपायेगा। अपने को अल्हा ने कैसा हुकम दिया है कि बौत पहिले से एक चांदी का प्लेट लेने का मन किया था। सो अपनी कमाई में से बचा कर..।

पर क्यों, टिन का क्यों नहीं.....?

नहीं साब, अपन के दोस्तों को बोल रखा है कि अपन के मरने के बाद इसे बेचकर अपन का अंतिम किरिया...।

मैं चौंका, दूसरे ही क्षण मैं नगेंद्र बाबू से सोने की मोल–तौल में उलझ गया।

• • •

सलुकिद बा आर लोसेद्

आईंग लेल जःई—

इनिः तेते—हेन्तेः हेता बेड़ा तना चि ओकोए दो काए ले जःईंग। विश्वास जनाए चि जाँएवो काको लेल जःईया। बस, अयाः अयर तेगे होड़ो को सेन फरोम जदा। अयर रे मियद जुरूड़—जुरूड्ु जोआ कन होड़ो मेनःईया। लेंगा ती रे अरिल ते गलावा कस बरिया अपिया सकम ते लदा कन हाई को तई केना। ओड़ोः मियद दो बुरु दिसुम हातु होड़ो तई केना। हाई सब तदिः बिना कजि—कुलि केया तः सेनोः अयर जना।

ए दादा भाई हुड़िंग देंगाईग नम तना—मियद ककला एन हातु होड़ो केः टेकद किया। लुतुर—चुडुकुद जद लो ताएओम सः हेता बेड़ा तना। आर कोः ते काटा सोमते लेल जःई। जका—मका लिजः बितर रे मियद कुड़ि उकुआ कना। हातु होड़ो इनिः के बिना कजि—ओमई केयाते अयर तः सेन केदा।

आईंग वो गे खिड़किंग हन्डेद केदा।

• • •

कमल और कीचड़

मैंने देखा—

वह इधर—उधर झांक रही थी कि कोई तो नहीं देख रहा। तसल्ली हुई कि अब कोई नहीं देख रहा था। बस सामने से ही आदमी जा रहे थे। आगे था एक मुलायम चेहरे वाला। बांये हाथ में बर्फ से गले पत्ते पर लिपटी दो—चार मछलियां थी। दूसरा कोई पठारीय हवा में पलो एक देहाती नौजवान। मछली वाला बिना रोक—टोक आगे बढ़ गया।

"दादा किछुटा सहजोग कोरबेन— आवाज नौजवान को रोकती है।"

नौजवान चौंका और आनन—फानन में ही वह उसे सिर से पैर तक निहार गया। साफ—सुथरे सादे वस्त्रों में एक भद्र महिला है।

नौजवान बिना कहे दिये आगे चलता बना। मैंने भी अपनी खिड़की बंद कर ली।

• • •

बनवाचन ठांव

मियद मरः होन न दो तुका ते अपिर दड़ि लेकाय माता जना। मुसिंग इनिः आर मां तः ते बिनगल जना। हुड़िंग दिन तयोम ने एंगाते लेल--कोएवोः नगेनेः हिजुः रूड़ा कना। मेन्दो इनिः ले किः लोः गेः कजियाई तना–का बेटा, का कागे तिसिंग–गापा साज–सिंगारेन रः जूग का तना। नः दो पेड़ेः साहस लेल रिका रः जूग हिजुआ कना। अम मरः का, राउड़ीः चेणें बईन केयाते हिजुः में।

होन उईउः लुतुर केयातेः सेनोः जना। हुड़िंग दिन तयोम ते इनिः राउड़ीः चेणे बाईन केयातेः हिजुः जना। एंगाते ओड़ोःए कजियाई तना–का बेटा का गे। राउड़ी–चेणें बाईन केयाते आईंग कम बनचाव दड़ियाईग। निसुकन दो राउडीःयाते पेड़ेः गरंग ढेचुंवाः बाईन केयाते हिजुः में।

होन ओड़ोए रूड़ा जना। हुड़िग दिन तयोम ने ढेचुवा बाईन केयाते रूड़ा लेना। जी का पेरेगोः लेकन एंगाते ओड़ोए कजियाई तना–का बेटा। का। नेयाव का ठीक जना। ढेंचुवा बाईन केया तेव आईयाः जी कम बनचाव दड़िया इमिउज दिसुम एड़का जना। निसुकन दो चेणे कोआः राजा रिचि बाईन केयाते हिजुः में।

हेगा मर–कजि केंद लो ओड़ो गमड़ा गपुई तनेः रूड़ा जना। आर हुड़िंग दिन बाद रे रिचि चेणें बाईन केयानेः हिजुः लेना। मेन्दो निसुकन दो नेका नेका रूप बदली रः कारण एंगा तेकेः कुलि किः। एंगाते जगर रूड़ा बदला रेः हपे गिड़िन जना। इनिः अएयाः तरन के चपु–चपु जःई लोः लन्दा केदा। मेन्दो एन लोः गे खएराव जना। मेद को अरः अरः ए मेद गदा। ओंते एकेला गिड़िवोः लेकाए गर्जव जद लोः ए कजियाई तका–बेटा, ने सोमय दिसुम रः हालत पुरः गे एदका जना। कुला को लेका होड़ो को गर्जव बेड़ा जदा। कजि–कजि रेगे होड़ो को जी को अपाउ तना। रिचि चेंणे बाईन केया तेव आईयाः जी कम बनचाव दड़ियाः। निसुकन दो गोटा रिसुम दलोब गिड़ि सरदुल चेणें बाईन केयाते हिजुः में।

हे मर अमः कजि गेईग पतियाः कजि केद लोः ओड़ोए रूड़ा जना। आर सरदुल कोआः दिसुम ते सेनोः जना। महीना दिन तयोम ते सरदुल बई केया ते रूड़ा लेना। आर अएयाः जपाः रे बुरू लेकाए तिंगुया कना। साबाईसी

ओमाई तन लोः ए कजियाई तना–खूब ठीक बेटा। नः दो आईंग जाएँवो काको गोएः दड़ियाईंग। एंगाते होनाः रूप आर पेड़ेः लेल केया ने सुसुन बेड़ा तना। एन लोः दो मियद अरः मुई टुन्डंग रकब तन लोः अयाः होड़ोओ रेः अद जना। अरे बेटा लेली में...लेली में शैतान अर...मुई कोते होड़ो मो रे अद जना... मुरकटा...कोते जोम किया...

कुरि गा...कुरि...कोतः रीया...

एन लोः दो आएया मेद रेः बोलो जवा। आर मेद हासु ने इतिकिद गोएन तना। जपाः रे बुरु लंकन होन तिंगुआ कना। जेताव कए रिका दड़ियाई तना।

• • •

सुरक्षा पट्टी

मोरनी का बच्चा लालन–पालन के बाद अब उड़ने लायक हो गया था। एक दिन बड़ा होकर वह मां से अलग भी हो गया।

कुछ दिनों बाद मां को देखने वापस आया। पर मां ने उसे देखकर कहा – नहीं बच्चे नहीं, इस समय श्रृंगारता की नहीं, वीरता का बोलबाला है। तू मोर नहीं....'डाहूकल' बनकर मेरी रक्षा करो।

बच्चा मायूसी हालत में लौट गया। कुछ समय बाद वह डाहूकल बन आया। मां ने फिर कहा – नहीं बच्चे नहीं, डाहूकल बनकर बैरियों का वध नहीं कर पाओगे। तुम्हें इससे अधिक पराक्रमी 'ढेचुवा' बन कर आओ। बच्चा फिर लौट गया।

कालान्तर में वह ढेचुआ बन आया। संतुष्ट न होने वाली मां ने फिर कहा – मेरे वीर पुत्र, अराजकता इतनी बढ़ गयी कि ढेचुआ बनकर मेरी जान नहीं बचा सकते हो। इस बार पक्षियों का राजा 'बाज' बनकर आओ।

तथास्तु मां -– वह फिर लौट गया।

दो दिन बाद बाज बनकर आया। लेकिन इस बार खिन्न होकर मां से इस तरह बहुरूपी धारण कराने का रहस्य पूछा। उत्तर में मां ने कुछ नहीं कहा। वह उसके कंधों को थपथपाते हुए पहले तो व्यंगात्मक हंसी हंसी। पर दूसरे ही क्षण उसकी आंखें लाल हो गयी। चेहरे गुस्से से तममता उठे। धरती को फटा देने वाली गर्जन में उसने कहा – वत्स! इस समय हलके की हालत

बदतर हो गयी है। पशुबल का तांडव नाच चारों और होने लगा है। अकारण जान जाने की उम्मीद बंध रही है। बाज बनकर तू मेरी रक्षा बिल्कुल नहीं कर सकते। इस बार दुनिया को ढंक सकने वाला 'सरदुल' बन जाओ।

जो आज्ञा माता जी — कहकर वह सरदुलों के देश में चला गया। महीना भर बाद वह सरदुल बनकर मां के सामने पहाड़ के सामान खड़ा हो गया।

शाबाश! अब मेरा कोई नहीं बिगाड़ सकता....मां पुत्र की वीरता, विशालता तथा पराक्रम पर गर्व करते हुए नाच उठी। इतने में एक लाल चींटी रेंगते हुए उसके शरीर में विलीन हो गयी।

अरे...अरे...देखो, यह मरदूद चीटीं..... ।

कहां...कहां...मां...स्साले मेरे सामने चींटी की यह साहस।

अगले ही क्षण चींटी मां की आंख में समा गयी। बच्चा देखता ही रह गया।

• • •

मियद इकुआकन होड़ो

गाड़ा गुडु रिकिबल साड़ी गे इनियाः नगेन दो होड़ोमो कोरे ताईन जन रः लेल उरूम दो। हुड़िंग खोन रेदो खूब जोरेः गमा केदा। आर जोनो मेः आउ केदा।

रः तन दुरंग तन लोः इनि गाड़ा, दिरि बुरू को परोम जलोः जनर को लतर मुलीः सेना कद ताई केना। होरा कोरे ओकोए जुदिः अयाः लुतुम, हातु, कातु को कुलि जःई रेदोए मेता कोआ--आईया लुतुम दो गुमनाम। एंगाईयाः ओड़ाईंग सेनोः तना।

आईगवो ने उपरीया होड़ोआः तयोम--तयोम तेईंग ओतोंग किया। अयाः ओड़ाः जकेदेईंग ओतोंग कियाः आर लेल किया चि अया एंगा तेयाः अचोड़ों रेः उकुन जना आर परका तेगेईंग जगारः ईया चि अते हाले अम दो लिंगि तन गड़ा ईंग मेतामा चि दिन--दिन बिताओ तम जीवोन!

• • •

एक गुमनाम का परिचय

बादलों की गड़गड़ाहट उसके अस्तित्व में आने का पहला सूचक था। वर्षा हुई। वह अस्तित्व में आ गया।

गाते--रोते पहाड़--पथरीली संकीर्ण गलियों से होता हुआ वह ढलान की ओर अग्रसर था। रास्ते में कोई नाम--धाम पूछता तो बताता--नाम मेरा गुमनाम है। मां का घर जा रहा हूं। मैं भी इस संदिग्ध व्यक्ति के पीछे--पीछे हो लिया।

अंत में, उसके घर के बहुत करीब से देखा--वह मां के आंचल में समा गया।

हे! अनाम राही, तुझे नदी कहूं या जीवन!

• • •

होएवो रे

मियद होड़ो भोगोमन नः ते अरजी तना—हे भोगोमन ने धरती रे आईयाः जीदेन खूब मुश्किल होबा जना। जनव कमि गे कमि। बिना कमि तेदो मिद कुदिवां का नमोः। एना मेन्ते ओड़ोः मिसा जोनोम रे दो चेंणे बाईंग में। फुर्र..र्र.. लेका अपिर जन चि दारू कोरः जरोम जो को जोम रे चिमिन मंजा ठोरोगा। हिजु—सेनोः रेवो जेतन सदव बनोः। आराम गे आराम....। भोगोमनेः हुकुमःईया—जू एनका गे होबाव गा। अयर जोनोम रे इनि चेंणे बई जना।

मुसिंग हुलंग हेसः जरोमेः जोम तन ताई केना। एन लोः कोतः ते मियद रिचि हिजुः लेना आर इनि के रूचब किया। गोएवोः सिदा रे इनि ओड़ोः भोगोमन तः तेः अरजी तना – हे भोगोमन ने सिरमा दिसुम रेव जीदेन मुश्मिल गेया। नेरेव गे आराम बनो, सुकु बनोः नेरेव गे आईयाः दुश्मन को सुकु ते काको ताई रिका कि ईंग। एना मेन्ते अयर जोनोम रे हाई बाईंग में। भोगोमन ओड़ोः इनिः के हाई बाईन रः ए हुकुमाई तना। एन लोः दो इनि गोए जना। आर हाई रे जोनोम जबा। हे भोगोमन नेरेव जी सुकु बनोगा। बनचावन रः होरा बनोगा। जपाः रे मिरतु लेल जद चि ओड़ो भोगोमन तः तेः अर्जी तना। आर हाई रेः जोनोम जवा। हडिंग दिव जीद लेव चि बोड़े माग व्हेल हाई जोजोम बगेनेः चाका कदा। एना मेन्ते अयर जोनोम रे आईंग के...। एन लो भोगोमन सरते रे लेल रिकन जना। आरेः मेतइ तना—अम बदमाश होड़ो तन में। कमि लन्डिया तन में। दः ओते—रिम्बिल ने अपिया ठांव रेव इमान बेइमान, होसोड़ो सरते, सुकु—दुकु सोबेन मेनागा। अमके जरूड्डु मेनाः एना को सोबेन लेल सानिंग रः। जू तिसिंग ते अम होएवो रेगेम हका कनोवा। एन लोः दो भोगोमनेः अदेन जना।

• • •

शून्य

एक आदमी भगवान से प्रार्थना करने लगा – हे भगवान! इस पृथ्वी पर मेरा जीना दूभर हो गया है। रोज काम ही काम। बिना काम से तो एक दाना भी नसीब नहीं होता। अतः अगले जन्म में मुझे चिड़िया बनाना। फुर्र...र... र... से उड़ कर पेड़ों पर पके मीठे फल खाने में कितना मजा आयेगा। कोई तकलीफ नहीं, आने जाने में। बस! आराम ही आराम। भगवान ने हुकुम दिया – जाओ वैसा ही होगा। अगले जन्म में वह चिड़िया बन गया।

एक दिन वह पीपल के पके फल खा रहा था कि कहीं से एक 'बाज' आया और उसे धर दबोचा। मरने के पहले वह फिर भगवान से प्रार्थना करने लगा – हे भगवान! इस महाकाश में भी आराम नहीं, सुख नहीं। यहां भी मेरे दुश्मनों ने मुझे चैन से जीने नहीं दिया। अगले जन्म में मछली बनाना। फिर भगवान हुकुम देते हैं – जाओ ऐसा ही होगा। उसी क्षण वह मर गया। और मछली में जनम लिया। कुछ दिन जीने के बाद एक बड़े 'व्हेल' मछली से अपने को घिरा पाया। सामने खतरे को देखकर फिर भगवान से प्रार्थना करने लगा – हे भगवान! यहां भी मुझे चैन और सुरक्षा नहीं मिली। अगले जन्म में मुझे.... । इतने में भगवान साक्षात रूप में प्रकट हो गये और बोले–तू दुष्ट प्राणी है, कामचोर है। जल–थल, नभ इन तीनों जगहों में धर्म–अधर्म, सुख–दुख है। बस तुम्हें जरूरत है धैर्य रखने की। जाओ आज से तुम्हारी आत्मा शून्य को प्राप्त करेगी और अगले क्षण वह अन्तर्ध्यान हो गये।

• • •

भ्रोम

'हल्लो' आईंग नपम ठाँवों तेईंग जगर जदा....हिजु...में.... ।

'हल्लो' आईंग चन्डु:वा: कुपुल बईन केया तेईंग जगर जदा ।

'तिसिंग काईंग हिजु: दड़िया: ।'

'होसोड़े । चन्डु दोअमके, गिउःअम तना । इनिया: कुपुल चिलका? हिजु मेंगतिञ ।'

'सरते गे, आईञ बा दारू कोरे दुबा कन लो: ईंग जगर जदा ।'

'तोबे दो गतिंग हिजु: में ।'

'का..का..कागे गतिञ काईंग हिजु: दड़िया । लन्दा तन बा को काको कुल ज:ईया ।'

'का, नेयाव काईंग पतिया । बा को दो अम: अर: अर: लाचो लेल केते को हिसिंगा तना । इनकु चिलका तेको ताई रिका में?'

'हे सरते गे । आईंग जलाकार ताला तेईंग जगर जदा ।'

'कागे । जलाकर दो अम: पाएला लेल केयाते: खएरव तना । हेला रे सोगति गति कोत: रेमा हिजु: में ।'

'लेले मेरे गतिंग डोन्डो अलोम बाईना । लेल कोम दुड़ा रे होन को इनुंग तना । आईंग इनकुआ: लन्दा–जगर रे मेना:ईया । लेले में बा–मोए आला–आलाव तना । आईंग एना को भीतर रेइंग उकुआ कना । लेले में सिंगि तुरो: रे सिंगि अरतंग । आईंन एन रे मेन:ईया । हे अदा कन सोंगे सिंगि डम्बुईगो: तना । जू ओड़ा: ते रूड़ा में ।'

'ओह गतिंग अम दँड़ा तेइंग बलय चबा जना । आईग मेन ल: अम रोड़ सकम सेरोद । मेन्दोम उड़ुंग जना सुड़ासंगेन । लुतुमा कनम बा सोवन होएवो ।'

• • •

भ्रम

हल्लो मैं मिलन स्थल से बोल रहा हूं।....आ जाओ....।

हल्लो, मैं चांद का मेहमान बन बोल रही हूं। आज नहीं जा सकती।

झूठ! चांद तो तुमसे शर्माता है। उसका मेहमान कैसा?तू और कहीं है...आजा..

सच! मैं फूलों की डालियों पर बैठी बोल रही हूं।

'तो जिगर टुकड़े, आजा.....।'

नहीं, नहीं, नहीं आ सकती। पंखुड़ियाँ जाने नहीं देती।

यह भी नहीं मानता, पंखुड़ियां तो तेरे गुलाबी होठों से ईर्ष्या करते हैं। कैसे पनाह देते तुझे?

वाह, बिल्कुल सच! मैं समन्दर की लहरों पर से बोल रही हूं।

यह भी नहीं, समन्दर की लहरें तो तेरे पवित्र आंचल से नाखुश हैं। हे मेरे सपनों की रानी, तू कहां है, आजा।

देख तू, अनाड़ी मत बन। देखो, उधर धूल में बच्चे खेल रहे हैं। मैं उनके मधुर–मुस्कानों में हूं। वह देखो, कलियां खिल–खिल रही हैं। मैं उनके बीच हूं। वह देखो पूरब की लाली, जहां मैं समाहित हूं। हे भटके राही, गोधुली का समय हो गया है। घर लौट जाओ।

अहा! मैं भ्रम में हूं। मैं समझा था तू पतझर! पर निकली बसंत। नाभ है तेरा पवन।

• • •

हासु

'हाय आईंग दो बेटेकन हासु जःईया।'

'ऊँ हूँ, कोतः हासु जः मा? देया रचः जः मा?'

'का! कागे तलंग!' लाईः हासु जः मां?

'कागे जिनोद सोंगे।'

'काटा ती को लगा जः मा?'

'कागे आईया असरए होड़ो।'

'बोः को तुल–तुल जः मा?'

कागे गतिंग एनाव कागे।

'तो वे दो नेकन दुकु रः कजि को चिलकाते? शीला जगा रईंग तना चि आंईग खूब नसीब कन होड़ो...माला कजियाईंग तना चि आईयाँ मूँ खूब सुगाड़ा मेनः...रोहिणी कजि तना चि आईयाः मेद खूब सुगाड़ा....सावित्री मेन जदा चि आईयाः जी–कुड़म खूब बा लेका आला कना...कमला मेताईंगं तना चि आईयाः सुपु तुलम लेका लेबेया...सुनिता मेन जदा चि...।

हों..हों..होकाए में गतिंग। ने लेकन नाड़ी कोरेगे कोतः रे फँसेया कना।' ....आर कोड़ाते लुतुरेः चुडुकुद केदा। एन लोः दो कुड़म रेः हम्बुद जपः किया। मेद जपिद केयाने, एकेला तन ती डॅन्डोः कोते देया रे, गंडे मुन्डि ओला कन पिरिति रः ओल कोए चपु बेड़ा तना।

• • •

दर्द

'हाय, मुझे जोरों का दर्द हो रहा है।'

'उहूं, जरा देखूं। पीठ में ऐंठन?'

'नहीं नाथ।' 'पेट में गड़बड़ी?'

'नहीं प्राणेश्वर।'

'जोड़ों पर सूझ?'

'नहीं, मेरे आशा और भरोसा।'

'सिर में चक्कर?'

'नहीं, नाथ नहीं।'

'तो फिर ये चिंता की रेखाएं।...शीला ने कहा था कि मैं बहुत खुश किस्मत हूं....माला ने कहा था कि मेरी नाक बहुत सुंदर है....रोहिणी ने कहा था कि मेरी आंखें मनमोहक हैं...सावित्री ने कहा कि मेरा ह्रदय फूलों का सेज है।... .कमला ने कहा था कि मेरी बाहें बहुत मुलायम हैं...सुनिता ने....' बस..... बस करिये नाथ। इन्हीं जैसी दो–चार नसों में ही कहीं गड़बड़ है।

पति महाशय चौंका।

दूसरे ही क्षण उसे छाती से लगा लिया और आंखे मुंदे कांपती हुई उंगलियों से पीठ पर लिखे प्रेम के घिसे–पिटे अक्षरों को टटोलने लगा।

• • •

जम्बुड़ी सेता

अपि सिरमा रेन होन ती रे लद सब केया तेः जोम तन ताई केना। जपः रेगे मियद जुम्बड़ी सेता लुन्दु–लन्दु गे लेला कःईया। सेता कए सातिंग केदा आरेः कजि केदा–दादा खूब रेंगे जः'ईया, मोद केयाः लद ओमाईंग में।

लन्दा तन लोः गे होन मिद केचः लद सेता केः ओमःईया।

मेन्दो सेता एना जी केयातेः बगे केदा। आर ओड़ोः होन केः अरिदा कःईया। होन ओड़ोः मिद केचःए हुदुमाई तन लोः दो लदेः खयरव जना – का.. का...कागे। नेया का होबावगा। आईंग आईयः बोकोईंग कुड़ि लेका बेईज्जतेन का मोने जःईयाँ।

नेया गगर आईउम केयाते सेता कजि केदा – एते हाले ओकोए नेया गगर आईउम केयाते सेना कजि केदा – एते हाले ओकोए ओकोयः ए बेईज्जत जःईया? आईंग एना केचः लद काईंग सुकुवा जना दो चनः चिका जना? जाएँ एटा निः दोए सुकुआः। चनः सुकु आर का सुकुरः गोनोंग बनोः? आईंग दो अम केगे चाई।

लद मेन केदा–जू–जू सेनोः में। सेंणा अलोम बाईना। नः गे अमः गोमकेईंग रःईया अमेः दल मेया। ओह! आईयाः गोमके चनः भोगोभनेम रः ई रेवो आईयाः जेतव काए बगड़ाव दड़ियः। अलंगः तला रः सोंगे दो नेया चि अम अईयाः रेगेः मिटाव में।

जू–जू सेनोः मैं शैतान का रदो–होनः ती केटेः ठोर जद चि लद सेताः कजि काए पतिया जना। एन लोः सेताव गेः गर्जेव जदा–तोबे दो नेया अलोम रिडिंग या चि होनः ती केटेः अम के बनचाव मेया। एन लोः सेता होन के लदेः रेः किया।

• • •

लालची कुत्ता

तीन साल का बच्चा हाथ में रोटी लिये खा रहा था। पास में ही एक कुत्ता लालच की दृष्टि से उसे देख रहा था। कुत्ते से न रहा गया। बोला – 'दादा बहुत भूख लगी है, मुझे भी खाना दो।'

मुस्कुराते हुए बच्चे ने एक छोटा सा टुकड़ा उसके आगे फेंक दिया। पर कुत्ता उसे सूंघ कर छोड़ दिया और फिर हाथ की रोटी पर नजर गड़ाये रखा। बच्चा दूसरा टुकड़ा फेंकने ही वाला था कि रोटी उबल पड़ी–नहीं, नहीं, यह नहीं हो सकता। मैं अपनी छोटी बहन (छोटा टुकड़ा) की तरह तिरस्कृत जीवन जीना नहीं चाहती।

यह सुन अनुरोध की भावना से कुत्ता ने कहा – साथी कौन किसका तिरष्कार कर रहा? मैं उसे पसंद नहीं किया तो क्या हुआ। कोई और तो पसंद करेगा। क्या पसंद न पसंद का महत्व नहीं? मुझे तो तुम्हें चाहिए। बस एक अनुरोध।

अरे जा–जा। पण्डित मत बन। अभी तेरे मालिक को बुला दूं तो तेरा खाल खींच लेगा।

साथी! मालिक तो क्या, भगवान भी नहीं बिगाड़ सकता मेरा। तेरे–मेरे रिश्ते किसे नहीं मालूम? तुम्हारा अस्तित्व ही है इसलिए कि किसी की क्षुधा शांत करो।

चल हट, अधर्मी कहीं का।

मजबूत हाथों की पकड़ का भरोसा रखते हुए रोटी ने कुत्ते का सहयोग देने से साफ इंकार कर दिया। इस पर कुत्ता भी गरज पड़ा – तो यह मत भूलना कि तेरी 'कठोरता' का चोला तुझे ढंक नहीं सकेगी। दूसरे ही क्षण कुत्ता झपट कर रोटी ले गया।

• • •

नानीयाः कविता

आईंग जोनोम जन मोड़ें सिरमा तायोम ते आईयाः नानी मियद कविताए उदुब लिः ईयाँ—

एंगम कुंकी जान
अपुम कोंका जान
जला जंकर
दिसुम उल्टा जान
दिसुम पल्टी जान

इमतंग दो ने रनुआन जगर को होन मोचा रः लन्दा रेगे अद जना। नाः उपुन हिसि गेल सिरमाईंग होबा जना। मेद को दुरू दुरू जना। ती काटा को लगा जना। मेद को चिपिद जना। मगर नाः एन कविता रः जगर को ने हड़म जोमय रेइंग लेल उरूम जदा आर एना को सोबेन आईयाः मेद दः रे बदलीवोः तना। नेका अटकरो तना चि ने मेद दः को नू—नू तन लोःगे अईया जीवोन चबावगा।

• • •

नानी की कविता

मेरे जन्म लेने के ठीक पांच साल बाद नानी ने एक लोक–गीत सुनायी थी, जो परिस्थितियों की बदलाहट का याद कराती है–

एंगम कुंकी जन
अपुम कोंका जन्।
जलाजंकर, दिशुम उल्टाजन
दिशुम पल्टी जन्।
(तुम्हारी जैसी माताओं की) दिमाग फिर गया है।
(तुम्हारे जैसे पिताओं का) दिमाग फिर गया है।
(हाय! दुनियां उलट गयी है,)
(संसार पलट गया है)

तब ये मर्म–भेदी शब्द बचपन के मुस्कान में विलीन हो गये थे। आज मैं नब्बे साल का वृद्ध हूं। मेरी जाती हुई दृष्टि से, धंसी हुई आंखों से साफ दिखाई दे रही है कि ये शब्द इस पके हुए ज्ञानेन्द्रियों से टकरा कर आंसू में परिणत हो रहे हैं। लगता है अब इन्हीं आंसुओं को पी–पी कर इस दुनिया से कूच कर जाऊँगा।

• • •

ओम गिड़ि

जपः रेन होटेल मालिक बीरजू भाई लोः अलिंग तला रे इसिड़ि–सिकिड़ि जगर बेड़ा आर ने सीड़ी लतर लाता रे ताईन असेबड़ा सुखदाः दुअर–दुअर सेन बड़ा सोबेन कोआः अपन–अपन हेवा तई केना।

बजरंगबली अर्दाश कीः चि पैसा–बकसाए सफा बड़ा तन लोः बीरजू कजि केदा–कजि में हाले कुंअर दिसुम कोरःचिकन हालत?

अरे बीरजू भाई दिसुम कोरः कजि को होकाए में। अबुअः शहर रः गे लेले में। अबुआः नेता राजीव जी चिमिन बुगिल जगरेः जगर कः बुआ।

हे चिनय जगरा कः बुआ ने मरंग गोमके?

कजि तदाए चि कोलकाता शहर गोएवोः तना।

दो नेरे चिकन मरंग कजि मेनः कुंअर भाई? नेया कजि दो ठीक गे।

होटेल मालिक कजि केदा – तनि बाबू के चा रिय।

जपः रेगे सुरूदा लेलम तःईचि बीरजु खूबेः खयख तना–ने लेकन सुकुदा को नेरे हजारों मेनः कोआ। निकु असि ते असुलेन तब को कारे चिकन को? मुम्बई सेनोः मे, दिल्ली सेनोः में मद्रास रोनोः में। साले कमि रेदो जोमे में। का रेदो गोजोः में।

जू–जू–अयर ते सेनोः में...

सरते गे कुअर भाई नेकन असिबेड़ा तन कोरे आईयाँः जेतन दया–माया बनोगा।

बरसिंगातायोम ते आईगं लेल केदा चि मियद दुडुमा कन होड़ो के को जुरू तः ईया। आर होड़ोमो रे टका सिका कोको तेर जदा। बीरंजू मियद मोडें टाका लोटोए तेर तुकादा आरेः कजि जदा–ओह सुखदा नः दो बंग मेया।

• • •

दान

होटल वाले बीरजु भाई के साथ गोल–गप्पा करना और पास ही सीढ़ी के खोड़रों में रह रहे सुखदा भिखारी का द्वार–द्वार मंडराना, हम सब की अपनी–अपनी आदत थी।

'बजरंगबली' की आरती उतार कर संदुकुचि को झाड़–पोंछ करते हुए बीरजु भाई बोले – कहिए कुंवर भाई, देश–दुनिया की कैसी खबर है?

अरे बीरजु भाई, देश को गोली मारिये। अपने ही शहर की बात करें। हमारे राजीव जी ने क्या ही निराली बात कही है हमारे लिये।

हां, क्या कहा है उस महानुभाव ने?

कहा है कि कलकत्ता मर रहा है।

तो इसमें आश्चर्य क्या, कुंवर भाई? बात है भी तो सही। गंगा..तनि बाबू को चाय दिय, सामने सुखदा भिखारी को देख उसका पारा और चढ़ गया– इन जैसे हजारों सुखदा है इस शहर में। ये ढोंगी नहीं तो क्या? बाम्बे में जाओ, मद्रास में जाओ। साले कमाओ तो खाओ नहीं तो मर जाओ।

जाओ, जाओ, आगे बढ़ो।

सच कुंवर भाई, मैं ऐसे बेरहमियों पर रहम नहीं करता।

दो दिन बाद, मैंने देखा कि एक सोए हुए आदमी के चारों ओर भीड़ जमी है। लोग–बाग उस पर सिक्को की बौछार लगा रहे हैं।

बीरजु भाई पांच का नोट रख, हड़बड़ा कर चले जा रहे हैं – ओह सुखदा, अब तुम नहीं रहे।

• • •

जमायती

मशीन चालव निः।

साढ़े पांच बजे रः लोकल ते हिजुः आर बेचुअः कोयला गोदाम होए केते कारखाना रे बोलो अदेन—नेया गे नियाः रोज रः कमि दो।

तिसिंग वो गे गाड़ीयाते हड़ागुन जन चि कारखानाए हिजुः तन ताई केता। कारखानाए बोलो सिदा रेः लेल किया चि बेचु खूबेः ककला कादा – साले निमिन दिनातेम बनचाउ कना। तिसिंग आईंग अम के जीद काईंग बागे मा...सल्ला कुम्बुडु मुआ कारे दो।

हुँ, सेतः सेनः रे चिलकन गड़बड़। देईंग लेल लेया। मेन्दोईंग लेल केदा चि मालिकियः मेद दो एटः रे जुल तना—नि हरामजादा एटः निः ओकोए?

हुजूर नियोगे आईयाः जमायती रेनिः गे। दल जःई कुम्बुडु कजि केदा। ओड़ोः चनः तोबे। मालिक लुतुर जपः रे मेड़ेद डन्डाः तेः दल किया। इनिः एन तः रेगेः गोए उतर जना।

तायोम ते पुलिस बरन किनेः इदि केः किना। मशीन चालव निः दो होड़ो तोपा ते। कुम्बुडु दो जेल ओड़ाः ते।

• • •

गैंग

मशीन ऑपरेटर।

साढ़े पांच की लोकल गाड़ी से आना और बेचु के कोयला गोदाम से होता हुआ कारखाने में खो जाना उसकी रोज की दिनचर्या थी। आज भी गाड़ी से उतर कर कारखाना आ रहा था। इसके पहिले कि कोयला गोदाम पहुंचे, देखा कि उसकी झोपड़ी में हो–हल्ला मचा हुआ है।

'स्साले इतने दिनों तक बचता रहा था। अब तुझे जिंदा नहीं छोड़ूंगा.. .. साला चोर...मालिक ने दहाड़ा।'

हुं...सुबह–सुबह यह अनर्थ। जरा देखुं, माजरा क्या है। पर यह क्या? मालिक की आंखें तीर की तरह उस पर गड़ गयीं – यह दूसरा हरामजादा कौन?

हुजूर यह भी मेरे गैंग का आदमी है, पीटे जा रहे चोर ने कहा। बस और क्या था। मालिक ने बेचु की कनपट्टी पर 'रड' से दे मारा। वह वहीं ढेर हो गया। बाद में पुलिस द्वारा दोनों को अपने–अपने घर भेज दिया गया। हां, मशीन ऑपरेटर को लाश के रूप में तथा चोर को जिंदा मानव के रूप में जेल घर को।

• • •

गपा हुलंग रः काजि

आबा गा आबा गा बर पायसा ओमाईंग में...आबा गा...बरिया असे बेड़ा तन होन किंग मियद होड़ो किंग ककला जः ईया। आर मियद गेलेया पैसा रॅः सिक्का के हुड़िंग होन केः ओमः ईया। बरन किंग एन तः तेकिंग परकान जवा। हुड़िंग दूर अयर रेदो मरंग होन हुड़िंग निः के लुतुर जपः रे चटकन किया। आर सिक्कावेः रेः किया। इनिः एन पैसा ते बीडीः किरिंग केदा। बीड़ी अकिरिंग निः एन पैसा अयः बक्सा रे दो केदा।

ने नावा बोलोवा कन पैसा के सिदा रेन को कुलि जःईया चि ने उपुनिया मालिकि कोरे इकुनियाः पुरः भोरसाए ठार केदा? इनि काजि केदा– इनिः रे पुरः भोरसा ताई केना उकुनिः चि आई के चटकन लगाव केया तेः नम लिःईया।

चिलका ते?

नेकाते चि इनिः गपा हुलंग रः दुनिया रे जीदेन रः हेवाः मेनः जब कि बाको अपिया कोरे नेकन काजि बनोगा।

• • •

कल की बात

बाबूजी दो पैसा दे दे, बाबू जी...दो भिखारी बच्चों ने एक सज्जन को आवाज दिया और उन्होंने दस पैसे का सिक्का छोटे वाले के हाथ में थमा दिया। दोनों बच्चे वहां से खिसक गये। कुछ दूर जाने पर बड़े ने छोटे की कनपट्टी पर एक तमाचा दे मारा तथा सिक्का भी हथिया लिया। उसने पैसे से बीड़ी खरीदी। बीड़ी वाले ने उस पैसे को अपने संदुक में डाल दिया। तब उस नवागंतुक (पैसे) से पूछा जाने लगा कि उन चार मालिकों में किस पर ज्यादा भरोसा था। जवाब मिला – वो, जिसने तमाचे के बदौलत मुझे पाया था।

क्यों?

क्योंकि वह आने वाली कल की दुनिया मे जीने के अभ्यस्त है जब कि बाकी तीनों में ऐसी बात नहीं है।

• • •

बख्शीश

मियद सिउः कामि होड़ो ताई केना। इनिः मियद गाईः असुल लिया। इनिः खूब मजा ते जोगाव जः ई ताई केना। रोज गे रेड़ा--गसर जःई ताई केना। एन बदला रे मलिकि के पुरःपुरः तोवाए ओमाई तन ताई केना। तोवा अकिरिंग केया ते अयाः ओड़ा--दुआरेः चलाव जद ताई केना। ओह रे ताईंग अमः दया--धोरोम लेल केया ते सोबेन मनोवा होन कुला होन चेणें -- चिपुरुब, तेते -- सोनसोरोद अमः गेको चर्चा तन ताई केना। दिन बिताव इदि जना। अमः सोमयो सेनोः इदि जना। तोवा संग खोम इदि जना। टुन्डु रे नेकन दिनो हिजु जना चि तोवा संगे होका जना। तोबे इनिः अटकर केदा चि अयाः मलिकिव आए के सिदा लेका काए जो गब जोतोन जाईया। कोतः हरियार हरियार दुबी तसद। कोतः जो बाबा रः भूसा लोः मोरोए जंग दाली! नाः दो रोड़ कुसु नगेनोए बलय तना। अयर हुलंग नेकन एदकन दिन हिजुः जवा चि इनिः के मियद जिलु अकिरिंग होड़ो तः रेः अकिरिंग सुटिः किया।

[illegible] [illegible]गे इदि जः ई लोः होरा रेः मियद गुरिः तिंजु लो भेंट होबा जना। अ[illegible] [illegible]रन किंग जपागर तना--

तिजु -- जोआर गोमके रानी। चिलका लेका ते नेसः म हिजुः जना?

गाई -- नवा मलिकिया ओड़ा : ओड़ोः कोते?

तिजु -- तोबे दो गोमके रानी के खूब बुगिन होबाव का!

गाई -- चिलका तेना?

तिजु -- गोमके ठोरेन का चि इनिः दो कलिजुग रेन राम तनिः।

गाई -- ए! राम! आईंग राम राज्य रेईंग सेनोः तना?

तिजु -- हे गोमके रानी आर मुरारीयाः गाई वो हेगे।

गाई -- खूब! खूब! अमके भोगोमन पुरः दिनेः जीद मेहा।

तिजु -- गोमके रानी नेयावेः ठोरेन का चि एन होड़ो अम लेकन दया--धोरोम

ओड़ोः एटाः को सेवा ओम लेकन होड़ो को बख्शीशिवेः हटिंग जः कोवा।

गाई – एं, बख्शीश! हे भोगोमन निः के ओड़ोः सौ सिरमा जीदि में....।

नेया सुकु – रसिका रः जगर आईडम केद लोः ओड़ोः पुरः जोर ते सेन जदा। सेतः चनःए लेल जदा चि मोड़ें ईंच जिलिंग मेड़ेद रः बख्शीश एन होड़ोवाः ती रे मेनः आर इनिःके होटोः रे हद जाः ईया।

• • •

तमगा

एक किसान था। उसने एक दुधारू गाय पाल रखी थी। उसे अच्छा खिलाता–पिलाता और नहलाता–धुलाता था। बदले में उससे अमृत–सा दूध प्राप्त करता था। दूध बेच कर वह अपना घर–संसार चलाया करता था। वाह री दया की मूर्ति, परोपकारी। दानव–मानव, पशु–पक्षी, कीट–पतंग सभी तुम्हारा गुणगान करने लगी थी। दिन बीतते गये। उम्र भी ढलने लगी थी। दूध की मात्रा अब घटने लगा। अंत में एक दिन ऐसा भी आया कि अपने को पूर्णतः दूध देने में असमर्थ पायी। तब उसने देखा कि अब मालिक भी उससे कटाकटा सा रहने लगा। कहां हरी–हरी घास, चोकर के साथ चने तथा गेहूं के दाने। और कहां अब तो सूखे पुआल के लिए भी तरसने लगी। आगे चलकर दिन इतने बुरे होने लगे कि अंत में उसे एक कसाईखाने में बेच डाला गया।

संयोग से रास्ते में एक गोबर के कीड़े से मुलाकात हुई और दोनों में कुशलक्षेम पूछा जाने लगा।

कीट – हुजूर को गोड़ लगे। इधर कैसे आना हुआ?

गाय – नये मालिक के घर जी और कहाँ?

कीट – तब तो हुजूर को बधाई मिले।

गाय – क्यों जी?

कीट – हुजूर को मालूम हो कि वह हजरत कोई नहीं, कलियुग का राम है।

गाय – ऐं! राम! मैं राम राज्य में?

कीट – जी सरकार! और मुरारी की कामधेनु भी।

गाय – वाह भई वाह, भगवान तुम्हें लंबी उम्र दे।

कीट – हुजूर को यह भी मालूम हो कि यह महाशय अपने राज्य में आप जैसे परोपकारियों, सदाचारियों, सत्यवादियों को अपने सत्कर्म के लिए तमगा बांटा करते हैं।

वह फूले नहीं समायी और अधिक फुर्ती से आगे बढ़ने लगी।

सबेरे क्या देखती है कि पांच इंच के लोहे का तमगा लिये इंसान के क्रूर हाथ उसे झपटने बढ़ रहे थे।

• • •

देंगा आर गोनोंग

बरन दरवान (मेद पिपनि) किंग अटकर केदा चि दुश्मन को हिजु: तना। इनकिंग अकिना: राजा (मेद) नेया खोबोर किंज ओमाईया चि दुआर को मजा लेका हेडेदो: का।

राजा (मेद) – मूर्ख अलोबेन बाईना। फाटक को नि: गे ताईनो: का। आईग दुश्मन कोआ ते काई बोरो जदा। आई त: रे इदिया: गे बनो: दो चन: को रे: ईया?

सोबोन चीज को दो आईगा: प्रजा कोरेईंग हाटिग चाबा कोदा।

मेन्दो गोमके राजा ने मोती र: जंग कोदो (मेद द:)?

हा...हा..हा...यदि दुश्मन हिजु: जन रेदो मिपियद जंग सोबेन कोईंग ओमा कोवा।

हे मर एनका गे होबाकगा–दरवान किंग कजि केदा।

हुडिंग खोन तायोम तेदो दुड़ा मेद रे बोलो जना। आर एन लो: गे ती डन्ड़ो: ते इतिकिद इति किद ते सोबेन दुड़ा कोए परची गिड़ि केदा।

• • •

सेवा और मेवा

दोनों द्वारपालों (पलकों) को शंका हुई कि दुश्मन आने वाले हैं। वे राजा (आंख) से नम्र निवेदन करते हैं...राजन फाटक बंद कर दिये जाएं? बैरियों के आने की खबर मिल रही है।

दयालू राजा बोला – सेवक! मूर्ख मत बन। किवाड़ खुला ही रहने दो। मैं बैरियों से नहीं डरता। मेरे पास है भी क्या, जो लूट कर जायेंगे। सब कुछ तो जनता को समर्पित कर दिया।

लेकिन ये मोती (आंसू की बूंदें) के दाने?

हां...हां...हां..यदि दुश्मन आ भी जायें तो प्रत्येक को एक–एक मोती के दाने दिया जाये।

तथास्तु राजन।

इतनें में उड़ते धूलकण आंखों में समा गये। पर, दूसरे ही क्षण हाथ की उंगलियों द्वारा मलते–मलते उनके प्राणांत कर दिये गये।

• • •

राजा बेटा

राजा बेटा काजि में–

ए माने अपेल...ए माने अपेल।

बी माने बॉय...बी माने बॉय।

एच माने होर्स...एच माने होर्स।

एफ से फादर...एफ माने फादर

शाबाश! बेटा मेयंग हुलंग नेया को ओल केयाते ओमाईंग में, बुझाव जनम? एंगाते चुन्डुल डान्डो मूं रे जुटिड केया तेः काजियाई तना।

सेतः लोः दो अपु ते लोः पान–बाजार सेनोः नगेनेः हांटी जाना। पीटी किंग तिउः लः दो अपिसा जोर ते सड़ी जना–धम धम धम।

बम..बम...बम...निर पे...निर पे...बचाओ...बचाओ...होन अपुते तः रेः जपः न जन चि कुलि जःईया।

चिका जना आबा?

बम फटावा कना बेटा

ने गितिःया कन होड़ो कोद कोते को इदि जः कोआ?

नेया दो हासु तन को इदि आउ नेयाः एम्बुलेंस गाड़ी, बेटा, निकु अस्पताल को इदि जः कोआ।

आर नेया दः चिलका तेको पेचेका जदा?

नेया को दो फायर ब्रिगेड तनाः बेटा। सेंगेल एड़ेः को हिजुआ काना।

आर निकु?

निकु दो पुलिस तन को बेटा।

आर राजा बेटा गपा तेरे एन सवाल कोरः जवाबेः ओल केद चि एंगातेः ओमाई तना।

ए माने एम्बुलेंस।

बी माने बम।

एफ माने फायर।

एच माने होस्पिटल।

जवाब आईउम केद चि मरंग–मरंग मेद जद लोः इनिः के मोलोंग रेः चोः किया।

• • •

राजा बेटा

राजा बेटा बोल –

ए से अपेल....ए से अपेल।

बी से बॉय...बी से बॉय।

एच से होर्स...एच से होर्स।

एफ से फादर....एफ से फादर।

शाबाश! लाला, परसों लिखकर देना, समझे?....

मां ने इशारे वाली उंगली को नाक पर सटाते हुए लाला को चेतावनी दी।

सुबह हुई तो वह पापा के साथ पान बाजार जाने की जिद लगा बैठा।

धम....धम.....धम...तीन बार भयंकर आवाज आयी।

बम..बम...भागो....भागो...बचाओ....बचाओ पापा के छाती से लिपटा हुआ लाल पूछता है--पापा क्या हुआ?

बम फटा है बेटा।

ये सोए हुए आदमियों को गाड़ी से कहां ले जा रहे हैं?

यह एंबुलेंस गाड़ी है बेटा। ये होस्पिटल ले जा रहे हैं।

और ये पानी क्यों छिड़क रहे हैं?

ये फायर ब्रिगेड है बेटा! आग बुझाने आये हैं।

और ये?

ये पुलिस है बेटे।

लाला परसों उन सवालों का जवाब लिखित रूप में दिया –

ए से एंबुलेंस।

बी से बम।

एफ से फायर।

एच से होस्पीटल।

मां ने आंखें गोल करते हुए उसके माथे को चूम लिया।

• • •

पुलाईन

ए मूर्ख बुगिन लेका जोतोनिंग में। कम इतुआना आईग ओकोए तनिः? – इनिः हाई गोए गासी केः एरंग जःईया।

अम ओकोए तनिः?

आईग हाई कोरेन रानी हिलसा। जाती रे मरंग, लेल रे सुगाड़ा, सिबिल रे पुरः.... ।

होसोड़ो तनम

एई शैतान, मुरकाटा, मोचा लगोम कॅयाते कजि में। उदुबाईग में तो चिलकाते सोबेन कोआते चेतन बगाःईया?

हा...हा...हा...ओकोरेः अमः पम्पलद लेकन जिकिमिकि अपारोब? ओकोरेः तमः इचः हाई लेकन जिलिंग गुचु? आरेम मेनेन तना चि आईंग सोबेन कोआते सुगाड़ा.... । हे आईंग अमके मरंगेईंग लेका दड़िया मा, मगर.... ।

अगर–मगर चनाः?

अगर अम अमः मरंगेन रः पुलाईम बगे रे।

• • •

अहंकार

ऐ मूर्ख! अच्छा से मुझे जतन करना। जानता नहीं मैं कौन हूं?.... उसने मछुआ को झिड़की दी।

कौन हो तुम?

मैं मछलियों की रानी एलिस हूं। कुल में श्रेष्ठ, सुंदरता में श्रेष्ठ, स्वाद में श्रेष्ठ।

गलत।

ऐई, मर जानी, खूंसट, मुंह सम्हाल कर बात कर। जरा बता तो मैं कैसे श्रेष्ठ नहीं हूं?

हा...हा...हा...कहाँ तेरा तितली जैसे रंगीन डेने? कहाँ तेरी चिंगड़ी जैसी लम्बी मूछ? मूंछ! और तू कहती है कि मैं श्रेष्ठ हूं। हां, तुझे श्रेष्ठ मान सकता हूं, अगर.....

अगर क्या जी?

अगर तुम अपनी श्रेष्ठता पर अहंकार न करो।

• • •

एंगा तेयाः उन्नुडुः विधि

एयंगा!

सुकु ओम निः कोएवोंग गन्डे निः, हेबे – हतर निः, पेड़ेः ओम नि....आईंग के पेड़े ओमाईंग में...इनि मां दुर्गाः कटा सुबा रेः उईउन जाना।

ओताईंग दो, अमः चेतन रे चनः दुकु–विपति उईउः जाना कजिमे बेटा–पुरोहित इनिः के बोः रे चपु कियाते जगराई तना।

हे गुरु गोमके आईयांः जी–कुकुरू भीतर से पुरः गे उडुः दुकु बोलो जना। जी रचः तन लेकाई अटकर जदा। आईंग...आईंग गुरु गोमके आईंग गोए गिड़िन सना जःईया।

शान्ति...शान्ति बेटा शान्ति। जी रे शान्ति अगुई में। एयंग दुर्गा सरने गे अमकेः कोएवोंग गन्डे में...हेबे हतर में....पेड़ेः ओमा में...गुरु गोमके इनिः आशीर्वाद ओमाई तन लोः ए जगारड़ि तना।

काने काने कटा सुबा ते जोअर गुरू गोमके

अमः जीबोन बा लेका आलाव का बेटा।

आर इनिः बाहर सः ए उडुंग लेना।

बाप रे बाप पुलिस!

हे अले पुलिस को तनको। अमः कुड़ि के गोए रः मेन्ते अमके थाना तेले इदि जः–मा। डी आई जी बुगिन लेका ते इनिः केः कजियाई तना। एन लोः दो एयंग ते ठोर जःई लोए कजि जदा–आईयाः नगेन अम खूब बुगिन नाः आईंग के पाप होरा तेम फरका किःईंग।

• • •

मां की न्याय–विधि

मां, कृपा सिन्धु।

आनन्दमयी.... मंगलदायनी....भगवती...शक्तिदायनी.....मां। मुझे शक्ति दो.....

वह मां दुर्गा के चरणों में नतमस्तक है।

भक्त वत्सल! कहो क्या मुसीबत है तेरे साथ– पुरोहित उसका सिर छ कर बोला।

गुरुदेव! मन में घोर अशांति है। मन कचोटा जा रहा है। मै....मैं.... मर

जाना चाहता हूं....गुरुदेव।

शांति....शांति बनाये रखो वत्स, मां निश्चय ही तेरी राह निकालेगी। पुरोहित ने आशीर्वाद देते हुए कहा।

कोटि–कोटि प्रणाम गुरूदेव।

खिल–खिल जाए तेरा जीवन, वत्स।

वह बाहर आया।

बाप रे बाप, पुलिस।

हां, पुलिस, आप को अपनी पत्नी की हत्या के अभियोग में गिरफ्तार किया जाता है। डीआईजी ने नम्रतापूर्वक कहा।

भक्त को तत्क्षण मां का स्मरण आया – बधाई हो मां, तू ने मेरे जीवन में शांति लाकर मुझे पाप कर्मों से बरी कर दिया।

• • •

सोंकोटो

लेपेल चिपिना कुड़िहोन। मियद हातु। कमि सेनो होरा मियद। सेनो सोमय मिद गे। अएयाः ओड़ाः आईयाः ओड़ाः ते हुड़िंग लेका संगिन रे मेनाः। रेल स्टेशना ते हड़गुन जना ते डेढ़ किमी लेका खचर—खुचुर संडका ते सेसेन होबाव तना।

एन हुलंग जिमिर—जिमिर गामा तन रे अलिंग हिजुः तन ताई केना। इनिः चातोमा कन चि बीस काटा मन्डा अयर तेः ताई केना। इनिः चातोमा कन चि सेना कदा। आईंग सुटुः सुटुः लुम तन लोःईन सेना कदा। इन्निःईंग तेबः ईका मेन्ते जोर—जोर तेईंग सेन जदा। हुड़िंग दूर रेईंग तिंगुन जना आरेईंग लेल जःईया चि इनिः ओ जोर—जोरेः सेन जदा।

ओड़ाः जपः लिंग तेबाः दो पुरः गे बुगिन तेः जगारईंग तना—माफ ताईंग में दीन दयाल, एटः होड़ो लेकाईंग लुम रिका तः मा भला।

—सोनाली, नेकन सोंकोटो दो अम बारी गेदो का गे सोबेन कोलोः गे मोसा—मोसा हिंजुआ। अगारेम रः किंग रेव होनंग अम लोः काईग सुरू जन तेयाः होनंग—कजिजद लोः ओड़ाः रेईंग बोलो जना।

• • •

मजबुरियां

एक दूसरे से चिरपरिचित, एक मोहल्ला, ऑफिस आने—जाने का समय व रास्ता भी एक। उसका मकान मेरे मकान से कुछ ही दूर आगे है। स्टेशन से उतर कर तकरीबन डेढ़ मील संकीर्ण गलियों में से गुजर कर आना पड़ता है।

उस दिन रिमझिम वर्षा में हम घर आ रहे थे। वह छाता लिये हुए मुझसे बीस कदम आगे थी। मैं भींगता—भींगता पीछे चल रहा था। अचानक मेरे कदम तेजी से उठे, पर कुछ ही क्षणों बाद मैं ठहर गया, मैंने देखा कि वह पीछे मुड़ी और फिर तेजी से आगे जा रही है।

जब मैं अपने घर के अहाते में पहुंचा तो वह बड़े आत्मीय ढंग से कहने लगी, माफ करना दीनदयाल, एक अजनबी जैसा तुम्हें भीगने दिया।

—सोनाली, ऐसी मजबूरी तुम्हारे साथ ही नहीं, हर व्यक्ति की ऐसी ही मजबूरियां है। तुम कहती तो भी मैं तुम्हारे छाते का आश्रय न ले पाता, कहते हुए मैं घर में प्रवेश कर गया।

• • •

उल्टा गंगा

रेंगेः ते बलय तन सेताः चेतन रे मियद दीदीयाः दया हिजुः जना। सोंगे हिसब ते दीदी सेता केः कजियाई तना–अते हाले आईंग दो गोटा दिसुम रः नारींग चापु तना। अगर सनंग रेदो आईंग लोः सोगेन में। रेंगेः बलय रेः जेतन काजि का होबावगा।

सेता कजि केदा–खूब बुगिन। खूब बुगिन हाले खूब बुगिन! अम आईयां सोंगे बारि गेदो का गे आईंयाः भोगोमानो हेगे। एन लेका ते इनकिंग सोंगे–सोंगे खबू बुगिन किंग ताईन जना। मुसिंग हुलंग मियद हुडिंग–हुडिंग गोया कन मेरोम किंग नम तःईया। इनिः ते न सेताः लाई पेरेगोः न दीदीयाः लाई पेरेगो तन। एन लोः खयरव ते सेनाए गर्जव जदा आर मेरोम होन के आरकिद जःईया। दीदी काजि तन लोः मेता केः कजियाई तका–दिसुम रः राईन–जाईन इतु लेम। एना ते आईंग लोः जगर में। आर मेरोमेः जोम किया।

• • •

उल्टी गंगा

भूख से व्याकुल किसी कुत्ते पर एक गिद्ध को दया आई। हमदर्दी दिखाते हुए उसने कहा – भाई मेरे! मैं तो देश–देशांतर का हाल–खबर रखता हूं। बुरा न मानो तो मुझसे दोस्ती कर लो। भुखमरी की कोई समस्या नहीं रहेगी।

कुत्ता सहर्ष बोला – आओ बंधु तुम मेरे दोस्त ही नहीं, भगवान साबित हुए। इस तरह दोनों कुछ दिन सुख से रहे। एक दिन उन दोनों को एक छोटे मेमने की लाश मिली। उससे न तो कुत्ते की भूख शांत होने वाली थी, न गिद्ध की। इसी क्षण कुत्ता गिद्ध को फटकारते हुए लाश को साफ कर गया। गिद्ध द्वारा आपत्ति करने पर वह बोला – जमाने से पूछो और वह वहां से चलता बना।

• • •

जेटे–उम्बुल

होएवो दुदुगर हिजुः सिदा रे पुतम अएया सोंगे कुद केः गोवारि जःईया – दीदी होए दुदुर हिजुः लेका अटकरोः तना। होबादड़ियोः रेदो अमः ओड़ाः रे होन कोईंग जोगाव हन्ताड़ा लेकोवा। चिड़ि चिड़ि कुद कजि केदा – कुला रचः में, मुरकाटा अगर, होन को कम जोगाव दड़िया कोरे दो चनाः मेन्ते एगाम ठहरावा कना?

जू होएवो उदुगारः कटा गे सब में। ओड़ाः कईंग ओमा मा। होएवो उदुगर हिजुः लेवा पुतमः सोबेन होन को दारू सुबा रेको कोटब उईऊः जना। कुद पुतमः नेया हालत लेल ते लन्दा–रसिका तना। एन लोः दो मियद जम्बुडु बिंग मियद गोएवोः तन पुतम होनेः उद् किया। लाई का पेरे जन लेकाए उटकर केदा। आरेः बुझव जना चि नि दारू चेताना तेगेः उईउ.वा कना। इनिः दारू तेः दे जना। कुदः होन कोए उद केः कोवा।

• • •

धूप–छांव

आंधी आने के पहले पंड़की ने दोस्त कठफोड़वा से निवेदन किया – दीदी, आंधी आने की उम्मीद बढ़ रही है। संभव हो तो तेरे घर में बच्चों को रख लूं।

चिड़चिड़ा कठफोड़वा ने ताना मारते हुए कहा – छिःछिः जलमरनी, मर जानी। मुई, यदि बाल बच्चों की रक्षा न कर सकती तो मां ही क्यों बनी? जा आंधी के ही पांव पड़। मैं नहीं देती, जगह।

आंधी आयी। पंड़की के सभी बच्चे पटक दिये गये। कठफोड़वा पंड़की की हालत पर हंस रही थी। इतने में एक ढोड़ सांप एक तड़पते हुए बच्चे को निगल गया पर पेट न भरा। सांप को यह समझते देर न लगी कि माल ऊपर से ही गिरा है। वह टटोलते–टटोलते कठफोड़वा के खोड़रों में जा घुसा। दूसरे ही क्षण वह कठफोड़वा के सभी बच्चे निगल, चुपचाप उतर गया।

• • •

कोंका होड़ो

"भोगोमन ओको ठांव रियाम इतुआना?" का बोंगा बुरू तन होड़ो बोंगा बुरू तन होड़ो के: कुलि ज:ईया।

"भोगोमन ओको ठांव रे बंगा:ईयाम इतुआना? बोंगा बुरू तन होड़ो इनि: के: कुलि किया।"

हुड़िंग खोन बरन किंग हपेन जना। मियद नि: जगर एटे: केदा।

"तोबे आईंग चन:म बुझावन तना, बोका?"

"कोको"

"आर आईंग चन:म बुझाव ज: ईया?"

"अमो कोंका गे।"

"आर बरन किंग अपन–अपन खींस किंग थगोए रिंडिद कद चि किंग हपेन जना।"

• • •

पागल मनुष्य

"भगवान कहां हैं, जानते हो?" नास्तिक ने आस्तिक से पूछा।

"भगवान कहां नहीं हैं, जानते हो?" आस्तिक का जवाब था। एक क्षण दोनों चुप रहे।

"तो मुझे क्या समझ रखा है?" (भगवान न मानकर) – नास्तिक मौन भंग करते हुए कहा –

"पागल।"

"और तू मुझे क्या? (भगवान मानते हुए)

"तू भी पागल है।"

"और दोनों एक दूसरे के क्रोध के आंसू पीकर चुप हो गये।"

• • •

टुन्डा डन्डाः

नाता–गोता।

चिलकन नाता?

जी रचः रः नाता?बोको–बोया रः नाता? संगिन–नपाड़ेः रः नाता? सोंगे–दुश्मन रः नाता?

निकिन ताला रे नेया कोरः जेतन अता–पता का ताईकेला। मेन्दो मियद नाता ताईकेना निकिनः ताला रे, इदुबाई चिलकन नाता बुरु लेका तिंगुआ कन।

मियादः लुतुम ताई केना – लंगड़ा! आर ओड़ोः मियद नियाः टुन्डा–डन्डाः। लंगड़ा अएयाः सोंगे कोए काजि बेड़ा को तन ताई केना–ने दिसुम रे ओको एंगा–आपु, दादा–दाई होन–होपोन? सोबेन दो आई के ने गोए दारू रः भोरसा रेको बागे तुकाःईंग। हे मनवा होन कोईंग काजियापे तना चि अपेया ते लाः बुगिन दो ने गोए दारू रः टुन्डा डन्डाः।

नाते जी–जी रे टुन्डा–डन्डाः काजि तना–अहा! आई अले खूंट रे खूब मरंग। मनवा होन कोईंग सेवा जः कोआ। इनकु आईयाः काटा को सब जदा... आईंग पुरः गे नसीब निः तनिः।

इसुदिन होबा जना।

तिसिंग टुन्डा डन्डा पुरः गे उडुः रेः ठोःआ कना। जनाव दो सोंगे लंगड़ा जेता तेव काए बागे जःई ताई केना। तिसिंग दो मिद मोचाब काए जगार तना। संगिन रेगे परकोम रेः टेन्डेर बगे तःईयां। चनः अलिंगः सोंगे इमिन सेकेड़ा चका जना? एन लोः दो मियद होड़ो जगार केदा–का कागे टुन्डा डन्डाव बु इदि तोरसा जः, चिया चि हान सिरमा दिशुम रेव अलोकाए सदावोः।

टुन्डा डन्डाः लेल जद कोआ चि दारू बुटा रे सोंगे लंगड़ा केको तोपा तुकाःई चि अपन–अपन ओड़ाः कोते को रूड़ाः तना।

हाय कुला रचः पे कारे दो। आईगवो पे...।

मियद मुरकाटा मनोवा आईयाः ती काटा कोए पेटेः रूंकु जुंगडु केद चि लंगड़ाः चेतन रेः गिड़ि तःईया। आरेः निर मरकान जना। रः तन लोः ईंग काजि केदा–

हे मनोवा होन को निमिइंग पे एदकाः मेनेयाः काईंग ठोर लः। अपे ओकोएयाः जीव पे हदेया, इमिन रेव अपे ने दिसुम रे मरंग पे हिसाबा.कना।

• • •

वैशाखी

रिश्ता!

अद्‌भुत रिश्ता!

अनुराग का रिश्ता? भाईचारे का रिश्ता? अजनबीपन का रिश्ता? दोस्त और दुश्मनी का रिश्ता। उन दोनों में किसी को भी इसका पता नहीं था। पर एक रिश्ता कायम था दोनों के बीच अद्‌भुत अटल। एक का नाम था अपाहिज। दूसरे का बैशाखी। अपाहिज अपने स्वजनों को कहता फिरता था – दुनिया में ये कौन माता–पिता, पति–पत्नी, भाई–बंधु, पिता–पुत्र? सभी तो मुझे इस निरीह काठ के भरोसे छोड़ रखा है....री मूढ़ मानव तुझसे लाख भले काठ। वैशाखी सोचता – कुल–जाति में सर्वश्रेष्ठ। मानव जाति मेरा चरण छूने लगा। धन्य हूं मैं।

एक लंबा अंतराल गुजर गया।

आज न जाने क्यों बैशाखी बहुत उदास लग रहा है। रोज तो दोस्त भी नहीं छोड़ता था। आज एक शब्द तक बात नहीं। दूर खाट पर ही बेपरवाह से मुझे रख दिया है। क्या हमारी दोस्ती इतनी जल्दी...

इतने में एक आवाज आश्वस्त कर देता है....नहीं नहीं बैशाखी को भी ले जायेंगे। ताकि अंतःपुर में उसे असुविधा न हो। वह देख रहा है कि गांव के बाहर वृक्ष के नीचे दोस्त अपाहिज को गाड़ दिया गया और सब लोग घर वापस लौट रहे हैं।

हाय दुष्ट, तू क्या मुझे? मुझे भी.....!

एक कुटिल मुद्रा वाले व्यक्ति ने मेरे पैरों को तोड़ कर कब्र के ऊपर मुझे फेंक दिया और चलता बना।

री मानव तू इतना रहस्यमय प्राणी है, यह मैं नहीं जानता था। तू किसी का दिल तोड़ता है। फिर भी तू जगत में श्रेष्ठ है।

• • •

इम तंग दारू, नाः दो सोना

लड़ाई पीड़िया ने नाः नाः गे राजाए रूड़ा कना। लड़ाई दड़ि जन लेका ते इनिः तिसिंग निदा पेड़ेः रेन देवी दुर्गा के खातिर दारीः मोनेया कदा। बोंगा रः मेठाई को तरावड़ी रः डन्डोम रे होरसोद केद चिः गितिः जनाचिलका तेचि निवो सौ–सौ होड़ोए गोए तः कोआ एना मेन्ते मेठाई गोमेः बोसाव का।

नाः निदा तरावड़ी आर खाप किंग ताला रे पोरसादी नगेन एपेरंग होबाव तना।

राजा दो आईंग जिताव तःईया। एना मेन्ते पोरसादी दो आईंग एसेकर जोमेया--तरावड़ी गर्जव जद लोः ए काजि केदा।

मालिक, आईंग अमः निदा–सिंगी होरो जंगी तन हुकुम–उजुर दासी तनिः। यदि अम काईंग जोगाव–जोतोन केःम रेदो होनंग नेया कामिम कामि दाड़ी जना होनग? होएवोः दः ते अमः डाटा का बोड़ा जन तेयाः होनग? एना मेन्ते राजा के जीतव रे आईयाव हिसा मेनाः। एनाते पोरसादी आईगवोईंग नामेका।

अरे जू...जू...। लन्डिया गाईंड़ि कारे। अम दो बोरो ते राजाः मयंग रेगेम डेम्डा कन ताईकेना। आरेम काजि जदा चि राजाः दासी। जू अम पोरसादी कम नमेया –इनिः खाप के एरंग जःई लो सोबेन मेठाई के जोम चबा केदा।

हुड़िंग दिन नायोम ते राजा गेए जना। सरकार सः ते एलान होबा जना चि राजाः जोते लड़ाई रः साज–सामान को मियद लेलेल ओड़ाः रे दो–जोगावका। साते रे नेयाव काजि जना चि होड़ो को लेल–कोएवो रे आलो को टेकादोः एना मेन्ते सोबेन सुलागे ताई नोःका।

नेया जगर आईउम केद लोः गे तरावड़ी खींस तेः नोगोर–नोगोरेन तना–कुल रचः में सरकार, काउ सोदा केचः मेका अमके। आईंग के टोयंग नगेनेम अकावकावा कना। एला एला तलंग खाप कोतः रेमा?ने शैतान सरकार अरिद ली मे तो।

• • •

तब काट अब कंचन

युद्ध–भूमि से विजयी होकर अभी–अभी राजा घर लौटा है। इस विजय–उपलक्ष्य में आज रात, शक्ति के प्रतीक देवी दुर्गा के पूजन करने वाला है। पूजा के उपरांत उसने कुछ प्रसाद एवं नैवेद्य, अपने खूनी तलवार के मूठ में खोंसकर सो गया। ताकि वह इसके भी आभारी बने, जिसने सैकड़ों दुश्मनों को मौत के घाट उतारा है।

अब प्रसाद के बंटवारे के प्रश्न को लेकर तलवार और म्यान के बीच झगड़ा होने लगा। विजय श्री मैंने दिलवाया है। अतः प्रसाद अकेले खाऊंगा–तलवार ने चीखते हुए कहा।

मालिक मैं आपका परम भक्त और सेवक हूं। यदि मैं आप की रक्षा न करता तो यह काम आप कर सकते थे?धार पर जंग न लग जाता? विजयश्री दिलाने में मेरा भी हाथ रहा है। अतः प्रसाद मुझे भी मिलना चाहिए– म्यान ने रूआंसे भाव से कहा। अरे, जा जा, कामचोर कहीं का। तू तो डर के मारे राजा के कमर से चिपके रहा। और कहता है कि मैं सेवक हूं, रक्षक हूं। जा, तुझे प्रसाद मिलने से रहा– वह म्यान को इस तरह झिड़की सुना कर तत्क्षण सारे प्रसाद डकार गया।

कुछ दिन के बाद राजा का देहांत हो गया। उसके मरणोपरांत प्रशासन द्वारा ऐलान हुआ कि युद्ध में काम आये सारे सामान राष्ट्रीय संग्रहालय में रखे जायेंगे। साथ में यह भी कहा गया कि जन–सुविधा को ध्यान में रखते हुए वे नंगे ही शोरूम में लटकाए जायेंगे।

यह सुनते ही खीज होकर तलवार बड़बड़ाने लगा–जलमरनी सरकार, कौवा काट खाये, तुझे। मुझे नंगा करने पर तुली है? ओह म्यान इसकी खबर लो तो जरा।

• • •

सोमय रः काजि

मुई कोआः मियद जुम्बुलि बिर सेंगेल ते गोटा को केसेद बिउर जना। जेता सः तेव निर बनचावन रः होरा का लेल नमोः तन ताई केना। ओकोए जाः सेंगेल कुड़िल परोमेः मोने जद रेदो इनिः के बोका, मूर्ख को हिसाब जःई ताई केना। मेन्दो मियद कुड़ितन मुई अयाः होन को देया रेः लादी केः कोचि सेंगेल कुडिल परोमेः मोने केदा। मेन्दो जरा कन ताला रेगेः उईउः रूड़ा जना। लोलो अरतंग ते सोबेन को रः गेरंग तना। एन लोः दो होएवो हिजुः लेना। आर मियद मुरूद सकम सिरमा ते उईउः जना। होन होपोन सोबेन एन रेको देः जना आराम तेको सुस्तय नोः जना। ओड़ोः मोसाए केद चि कुड़िल इनिः दिरि रेः सब दाड़िन जना। नि लेल कीया ते सोबेन कोआः साहस बढ़ाव जना। आर इनकु एनका को कुड़िल पारोमेन जना। मेन्दो इमतंग न होएवो हिजुः जन नागे सकम उईउः जन। सोबेन सेंगेल रको अतर गोए जना।

● ● ●

चांस की बात

चींटियों का एक झुण्ड दावानल से बुरी तरह घिर गया था। कहीं से भी जान बचाने की तरकीब न सूझ रही थी उन्हें। कोई छलांग लगाने का साहस दिखाता तो उसे मूर्ख बनाकर रख दिया जाता।

लेकिन एक मादा चींटी अपने बच्चों को पीठ पर लाद कर छलांग लगा बैठी पर वह बीच जले स्थान में ही गिर पड़ी। गर्माहट से सभी बेहाल हो रहे थे। इतने में हवा का झोंका आया और एक पलास का पुराना मोटा पत्ता टप से सामने से गिर पड़ा। बच्चों के साथ उठने से आराम फर्मायी। दूसरे छलांग में वह एक पत्थर के बड़े टुकड़े से जा चिपकी।

यह देख बाकी सबों में साहब बढ़ा। वे भी छलांग लगाने लगे। पर तब न हवा का झोंका आया न पत्ता गिरा। सब के सब आग में भस्म हो गये।

● ● ●

एंगा तेयाः भोरसा

बैंक खाता हिसब कोड़ाते गोए जन तायोम ते सोबेन टाका कुड़ि तेयाः लुतुम रे हिजुगा। नः दो ओड़ाः रे अपि होड़ो गेको सरेः जना। एयंग ते आर इनियाः वारिया दंगाड़ा होन किंग।

मुसिंह हुलंग अयाः एंगाते केः कजियाई तना अनेगा एतेगा हातु रे डोन्डो मोन्डो होड़ो कोलोः ताई केयाते चिकना फायदा होबावा शहर रेबु ताईम रे जाः ठीक होबाव ओड़ोः हातु रे नमिन नमिन टाका जोगव मुश्किल मेनाः। शहर रे ओड़ाः बु बाई केरे दो भाड़ा ओम केयाते पैसा व हिजुआ साते रे अबु शहर रेन दिकु को लेका बु ताईना....।

एंगा तेयाः हुकुम नम जन लोः गे शहर रे मियद जका–मका ओड़ाः बाई जना। हुड़िंग सिरमा तायोम रे एन मरंग कोड़ाः अंडादिवो होबा जना। ओड़ाः रे सोबेन को जी–रसिका तेको ताईन जना।

मुसिंग दो अचका गे ने सड़िमा रे ओकोए दिरि तेर केदा ओड़ाः रेको एफेरंग जना।

हाय मुकेश, नः दो काईंग जी लः दड़िया। यदि एंगम बिना कम ताई दड़ियाः रे दो चनाः मेन्तेम अंड़ादिन जना?

अंजना। होश रे मेनः मदो? नेया अम चनः म कजि केदा? चनः एयंग आर मिथिलेश चनः किंग काजि तः मां?

होकाए में मुकेश नेकन जगर को होकाए में। आईंन नाःगे अतुल लोः मायके इदि तुका लिंग में। अतुल लेल कियाते आईंग जां लेका जेता लेका तेई जी दोः गेया।

अरे काजि मैं चि। एयंग जाः चनः कोए....?

अतुल, एयंग के अतुल रे हुड़िंग लेका शक मेन।

हुं, एंगाईग रे नेकन साहस! खयखोन तन एंगाते तः ते निर होपोरेन जना। आरेः कजियाई तना–एतेगा नेकाम कजि लः चि अतुल आईयाः होन का तनिः?

नेया काजि आईउम केद लोः गे चिलकाए अटकर केदा चि बोः बोजोर उईउः जना। इनिः अकादंदा जन लोः मुकेशेः के एरंग जःईया–बेटा

अबेन बरन किंग बेन चिका जवा। मां कालीयाः कसमेईंग जोम जदा नेका–हेन्का जेता लेका रेवो काईंग कजिया कदा। नेया को सोबेन आईंग बोदनम तेयाः काजि को तनः।

अतेगा नेया चिलकाते होबावगा? सिदा कोरे आईगोगेईग आईउम बेड़ा तद मेया। नाः चिलकातेईग हपेना? जनव जनव गाजा– गाजा एपेरंग बदला दो अम नेया ओड़ागाते उडुंगवोः में।

एगाते के हदि रेदो मायोम बानोः। मामला कचहरी रे तेबः जना। मेन्दो उकील नि केः उदुबःईया। चि राजाटारी कागज रे दो मुकेशयाः लुतुम बारि ओला कना।

एंगाते हातु रूड़ाए मोने केदा। ओड़ाः रेन होड़ो लेकाते अंजना एंयातेयाः काटा सब केया तेः विदा जःईया। बुगिन लेका ताईया कन तईयोः में बिटि। आईयाः अपे रे भोरसा मेनः। नेया काजि केद चि हेबे रेन अतुल के मोलोंग रेः चोः जःईया आर मिथिलेश लोः दुअर किंग तड़ोम केदा।

• • •

मां का आशीर्वाद

स्वामी के मरते ही 'बैंक अकाउंट' के मुताबिक सारी रकम पत्नी के नाम हो गयी। अब परिवार में तीन ही जनें हैं – मां एवं उसके दो जवान बेटे।

एक दिन अपना प्रस्ताव रखते हुए बड़े बेटे ने मां से कहा – मां, गांव में गंवार लोगों के साथ रहकर भी क्या होगा, शहर जाकर रहें तो बेहतर हो। फिर इतनी बड़ी रकम की उपयोगिता का भी तो सवाल है। वहां, घर भाड़े से पैसे भी आते रहेंगे। साथ ही साथ हम एक सभ्य जीवन भी जी सकेंगे।

प्रस्ताव को मां की स्वीकृति मिलते ही शहर में आलीशान मकान बनकर तैयार हो गया। घर की परिस्थिति के मुताबिक दो साल बाद बड़े लड़के का विवाह भी हो चुका था। अब यह परिवार सुख का पंख लगाकर स्वर्ग में लहराने लगा था। एक दिन अचानक किसी व्याधा ने इस पर तीर छोड़ा और वह छटपटाता हुआ जमीन पर गिर पड़ा।

हाय मुकेश! अब मुझसे सहा नहीं जाता। आखिर मां बिना जी नहीं सकते थे तो मुझे क्यों विवाह लाया?

अंजना! होश में तो हो? यह तुम क्या कह रही हो? क्या मां या मिथिलेश ने कुछ कहा?

बस करो, मुकेश बस करो। मुझे इसी वक्त अतुल के साथ, मायके पहुंचा दो। अतुल के सहारे, किसी तरह मैं जी लूंगी।

अरे कुछ बोलो भी तो। मां ने....?

मुकेश! मां को अतुल पर कुछ संदेह है।

हुं, मां का यह साहस!... वह आगबबूला हो मां के पास जा धमका और कहा -- मां, तुम्हारी यह हरकत। अतुल मेरा बच्चा नहीं?

यह सुनते ही मां के सिर पर जैसा वज्रपात हो गया हो। वह चकित अवस्था में मुकेश पर बरस पड़ी -- बेटा, तुम दोनों को क्या हो गया है? मां काली की कसम, मैंने ऐसा--वैसा कभी नहीं कहा। यह सब सरासर झूठे इल्जाम हैं, मुझ पर।

मां यह कैसे हो सकता है! आये दिन मैंने भी तो सुना है। अब कैसे चुप रह सकता हूं। रोज--रोज बात बिगाड़ने से तो बेहतर है कि यहां से चली जाओ।

अब मां को काटो तो खून नहीं। मामला अदालत तक जा पहुंचा। पर वकील ने उसे बताया कि पंजीकृत पर्चे पर केवल मुकेश का नाम दर्ज है।

मां गांव वापस लौटने को हुई। औपचारिकतावश अंजना ने मां का पांव छुआ। जीती रहो बिटिया। मेरी शुभकामनाएं तुम्हारे साथ हैं। यह कहकर उसके गोदी के अतुल का माथा चूम मिथिलेश के साथ चौखट लांघ गयी।

• • •

दारोम, रः धोरोम

तिकिन सिंगि रः सोमय ताई केना। वारि रः दुआर हुडिंग लेका निआ कना। भीतारा ते साड़ा आईमोः तना–माया बेटे नेका चिलका तेम साहस केदा? चनः अम कुड़ि सोरोम को कम इतिआना?

का गे, का। आई नेया ठीक गेईग कमिया कदा। आईंग कुड़ि को ताला रे मियद मरंग कमिइंग मोने जदा। आखिर इनिः एटा कोन्याए आउ किया ते आईतः ते संगिनेः सेनोः जना तोबे आईयो साखा सिन्दुरी ओचोः गसर केयाते आयत ते दूर चिलकाते काई सेनोगा?

कागे बिटी एनका दो का। नेया कमि साहस रः टुन्डु का तनाः। साहस रः टुन्डु ठांव दो अपना जी ओम गिड़ि। नेया दो अमः जी जीवोन रः काजि तनाः। आर जो जोवोन रः केटेः जना गोता रः मेड़ेःया ते पुरः केटेः मेनाः।

एन लोः दुअर साड़ि जना ठक–ठक ठक....। एंगाते दुअरे निः लः दो आरा तनिः कुड़ि होन लोः ए हिजुआ कना। कुड़ि होनः ती रे मियद नवा साड़ी मेनः। एन कुड़ि होन साड़ी ओमाई तन लोःए कजियाई तना–दाई ना दोला अबुआः ओड़ाः ते। ने नेया साड़ी अमः कजि रः गोवा तना चि आईंग अबेन के सुकु ओम केयांते ने ओड़ाः तेईंग उडुंग बोंआ।

आईयाः कजि! चिलकन काजि? माया किटिलान गेः कजि केदा।

लिजः कागे बिटि, मुरदार सेरेद नेया दो। अमः तिंगु दारोम र मुरदार सेरेद–एंगाते ताला रेगेः काजि कोटोंग किया।

उईयु लुतुर केयाते इनिः साड़ीः सब केदा आर एंगाते इनकु सोबेन जोम नू केयाते कोड़ाः ओड़ाः तेः कुल केः कोआ।

• • •

प्रतीक्षा का फल

दोपहर का समय था। बरामदे का दरवाजा अधखुला पड़ा था। अंदर से संवाद आ रहा था--माया बिटिया, ऐसा तुमने कैसे साहस कर बैठी? क्या तुम नारी मर्यादाओं से अनभिज्ञ हो?

नहीं मां नहीं। मैंने ऐसा काम कर उचित ही किया है। मैं नारी जगत को एक मिसाल पेश करना चाहती हूं। आखिर, वह दूसरी शादी रचा कर मुझसे दूर चला गया तो मैं भी साखा सिंदूर धों--पोंछ कर उससे दूर क्यों न चली जाऊँ?

नहीं बेटे नहीं यह साहस का आखिरी पड़ाव नहीं। साहस की आखिरी पड़ाव तो बलिदान है। यह तेरी जिंदगानी का सवाल है। और जिंदगानी की नाजुक लताएं रिश्तों की रेशमी डोर से कहीं अधिक मजबूत हुआ करती हैं।

इतने में दरवाजे पर दस्तक हुई – ठक–ठक–ठक...। मां ने दरवाजा खोला तो दामाद बाबू एक युवती के साथ खड़ा हैं। युवती के हाथ में एक नया वस्त्र धरा है।

युवती ने माया की तरफ हाथ बढ़ाते हुए कहा – दीदी, चलो अपना घर। यह नई साड़ी तेरे वचन का दावेदार है कि मैं तुम दोनों की मर्यादाओं को सम्मान देते हुए जाऊंगी।

मेर वचन! कैसा वचन! माया ने विस्फारित आंखों से कहा।

वचन नहीं कफन! तेरी प्रतीक्षा का कफन-- मां ने पूरी आत्मविश्वास के साथ माया को आड़े हाथों लेते हुए कहा। नतमस्तक होकर उसने वस्त्र को धारण कर लिया। मां ने तीनों को खिला–पिला कर ससुराल भेज दिया।

• • •

हुक्का

अपुते हुक्का नू रेः बुलाव चबा काना। हन्ते चिलम आर हुक्का दः रे एपेरंग सेसेन तना।

सेंगेल – आईं लो लो सेंगेल तनिः। सोबेन कोआ ते पेड़ेः गरंग निः तनिः। खूंट रे मरंग जाती रे मरंग, मनेईय। नेतः ते परकन में। का रेदोईंग ओन्डोर गोए मेया। आईयाः लुतुम हिंदु...जै शंकर भोलोनाथ....।

द : आईंग होड़ो को जीद निः अमः बलय ते होड़ो को चेंणे--चिपुरूब दारू सिंह कुला विंग, तेते सोन्सोरोद को बनचाव निः दः तनिः। कलेयाः तमः अमः हागा कुटुम जाती पाती। आईग अमा ते पुरः बुगिन आर मरंग तनिः नेतः ते फरकान में का रेदो अमः लुतुम गेईंग हद गिड़िया। अल्हा हो अकबर... अल्हा...। हुक्का नू होड़ो असादी जःई लेकाए ठोर जःई चि दः बुझाव जना चि हुक्का जाः कोतः रे दो हपेया। एक लेका ते इनिः एपेरंग रे दड़िया। सेंगेल गेव ए बुझाव तना चि दः ए सदव जः ईया। अयः गगर कोए सुकुआ तना। मेन्दो कागे। इनिः अयाः होन केः रः जःईया – नारू...ऊ...ऊ...सेंगेल एगेः जना। एटः सोमते सलगव रूड़ा लेम।

नेया जगर किंग आईउम केद लोः गे बरंग किंग अपारिड तना--ओह री मनोवा होन आम दो सोबेन जाती खूंट रे मियद गे।

• • •

हुक्का

वह हुक्का गुड़गुड़ाने में मशगूल है। उधर, साथ लगे आग और पानी में आपस की लड़ाई छिड़ी हुई है।

आग कहता है – मैं जलाने वाला आग हूं। सर्वशक्तिमान हूं। जाति–बिरादरी में महानता है, शुद्धता है, पवित्रता है। यहां से दूर हट, वरना जलाकर राख बना दूंगा। मैं अजेय हिंदू हूं...मैं.... जय शंकर भोलेनाथ...जय...।

पानी कहता है– मैं जिलाने वाला पानी हूं। तेरे इर्द–गिर्द जाति को बचाने वाला सर्वसौंदर्य हूं। भांड़ में जाये तेरी पवित्राता और जाति–बिरादरी। मैं तुझसे पवित्रतम हूं। दूर हट, वरना तेरा अस्तित्व ही मिटा दूंगा। अल्हा हो अकबर...अ...।

मालिक की बेचैनी को देखकर पानी को लगा कि वह आग को कोसते हुए हुक्के को किनारे कर देगा। इस तरह उसकी विजय निश्चित है। आग को भी लगा कि इसके साथ अन्याय हो रहा है। जीत की कोई गुंजाईश नहीं। पर नहीं, फौरन वह बेटे को आवाज लगाता है-- नारू चिलम बुझ गया, फिर से आग भरके लाना तो।

यह सुनना था कि दोनों ठगे से रह जाते हैं और बड़बड़ाने लगते हैं– रे मानव (सद्भावना) तुम हिंदू और मुसलमान एक ही हो!

• • •

जिरिबाना

गुरू साधुचरणः रिकि रिकि दो सोबेन पढ़ाव होन को इतु चबाना। इनियाः रिकि रिकि निम्युंग जकेद चि अयाः होन बुड़ि रटि को इतुआ ना। मेन्दो इनिः जां लेका ते, होन कोआः बुगिनोः नगेन गे कजि जदा। बगड़व नगेन दो का। एना मेन्ते इनियाः मियद गे होनते कोड़ा राम कमलः नगेन क्लास गैर हाजिरी ताईन पुरः गे मुश्किल कजि तनः। एनका रेव क्लास रे गैरहाजिरी ताईन रेदो जिरिबाना ओम टोटोगा।

तिसिंग स्कूल सेनोः सोमय जकेद राम कमल ओड़ा रे बंगाःईया। अठाउरी तयोम ते इनिः के बोछोर रः इम्तिहान ओम होबावगा। ओड़ाः रे जॉएवो काए उदुब तुका कः कोआ। स्कूल रे जिरिबाना ओम होबावगा। गुरू मेन्ते चिमिन गिउः रः काजि। मरंग काजि दो नेया चि कोतः रे चिका जन रेदो!. ..का का...तिसिंग आएवो स्कूल काए सेनोगा...होन खोज--खबर रेः उडुंगवोगा। मेन्दो होनः जाँ रेव जेतन अता–पता का नमोः तना।

करीब तिकिन गंडे सिंगि, इनिः सागर आर टेपा तकिंग लोः ओड़ाःए हिजुः तना। होड़ोमो रे लुम लिजः। ती रे मियद सलुकिद बाए सबा कदा। मेद मुड़ा उईउःवा काना। मेन्दो अकिंग दोकिंग रसिका तन गेया।

ती नेसाए में–डन्डाः दोन्दोवा कद लोः अपुते कचरान तना। हों हों अलोम दलिया काका। नि के अलोम दलिया। नि एटेः रेगे दड़िया कना–बरन किंग मिसा तेकिंग जगाराई तना। एटेः रेगेः दड़िया कना! मंडि–मंडि ते दोदो तद डन्डाः हड़ागु तना। जीः हसुडु एटेगोः तना। हे काका नि के अलोम दलिया। ओएयार रे नि एटेः रेगेः दड़िया काना। तिसिंग आले बुरू परोम बांदा रेड़ान ले सेन केना। काजि केदा लेचि ओकोए सिदा एन सलुकिद बा गेए केयाते अतोम ते अगुईया। आर ने राम कमल....। एन लोः गे खींस ते जुल तम अर :अरः मेद किंग सिंगि डुम्बुई सिंगि अरतंग लेका हसुरोः तना। आर सिंगि तुरोः तन लेका मेदमुड़ा रे अरतंग रकावोः तना। सेंगेल दः गमा जद लारि ले कन लाचो गुलाब बा लेका अरः गोः तना। रसिका तन लोः गे कुड़ि ते राधा केः रः जः ईया। आरेः कजियाई तना -- गपा राम के स्कूल सेनोः तन रे पर टाका पुरः ते ओमाई में आर आईयोगे। स्कूल रे जिरिबाना लिंग ओमेया दो।

• • •

जुर्माना

अध्यापक साधुचरण के कड़े मिजाज से स्कूल भर के बच्चे परिचित हैं। यहां तक कि उनके पारिवारिक जीवन में भी इसकी झलक देखने को मिल जाती है। लेकिन वे जो कुछ भी हैं, बच्चों के नैतिक सुधार के लिए ही हैं। उनकी बुराई के लिए नहीं। इसलिए उनका इकलौता बेटा रामकमल के लिए अकारण कक्ष में अनुपस्थिति रहना, लोहे के चने चबाने के समान है। यों भी स्कूल में अकारण गैरहाजिरी आर्थिक रूप से दंडनीय है।

आज, स्कूल जाने तक रामकमल घर में नहीं है। सप्ताह भर बाद वार्षिक परीक्षा देनी है उसे। घर में किसी को बताया भी नहीं। स्कूल में फाइन! अध्यापक होने के नाते खुद की नाक कट जाना। बड़ी बात तो यह है कि कहीं कुछ हो जाय... .। नहीं आज खुद भी स्कूल नहीं जायेंगे। उसकी खोजबीन करेंगे।

पर लड़के का कहीं अता–पता नहीं। तकरीबन दो बजे, नहा–धोकर वह सागर और टेपा के साथ हाजिर हो जाता है। बदन पर गीले कपड़े। हाथ में एक कमल फूल धरा है। चेहरा झुलसाया हुआ। पर बाकी दोनों प्रसन्नचित्त हैं।

हाथ बढ़ाओ–छड़ी उठाये पिताजी दहाड़ते हैं। मत मारिये चाचा जी। इसे मत मारिये। यह प्रथम आया है। यह फूल उसका बख्शीश है। दोनों बच्चे समवेत स्वर में बोल पड़ते हैं।

प्रथम आया! आहिस्ते–आहिस्ते उनके हाथ की छड़ी थमने लगती है। त्योरियां गिरने लगती हैं। हां चाचाजी इसे मत मारिये। तैराकी में यह प्रथम आया है। आज हम टीले पार तालाब में नहाने गये थे। तय हुआ कि कौन पहले उस फूल को तोड़ कर किनारे लायेगा और यह आपका राम कमल.... ।

तत्क्षण, उनकी कबूतरी आंखों में गोधूलि का सूरज थम जाता है और सूर्योदय होने लगता है। अंगारे बरसने वाले मरियल ओठ गुलाबी हो जाते हैं। पुलकित हो पत्नी राधा को बुलवा कर कहते हैं – कल इसे स्कूल के समय दो रूपये अधिक देना और मुझे भी। स्कूल में फाइन जो देना है।

• • •

रेगे: रबंग र: कनाजि

आईंग इनकुआ: टोला रेगेई ताईन तना। एना मेन्ते इनकुआ: ताईनो: बाईनो: चाईल–चोलोन को सोबेनेईंग इतुआना। इनि जेताए वो कागे, आसि बेड़ा तन बुड़िया तनि:। मगर इनिया: असि बेड़ा र: खेमोत को एट: कोआ ते हुडिंग बिंसा गे मेना:। नि ओम को मियद बिनगा खूंट–खानदाना तेको हिजु: तना। नि: खूब टाका पैसान होड़ो लेका संडका आतोम रे: तिंगुआ कन ताईवा। असि लेकन होड़ो को हिजु तने: लेलम केकोरे, अयर तायोम लेल केयाते कजिया–एतेगा बर पैसम ओमेया?

ने लेकन असि ई होड़ो कोरे आईयो गेईग ताईकेना। ना: जकेद रे चिमिन बार इनि: ओम कि: याते धोरोमे ईग कामि चुकाव तदा। मिसा बनर्जी बाबू लो: कपिलमुनि दोरसोन नगेन ते तारकेश्वर मंदिर सेनो: र: सोमथईंग नम ल:। ओड़ा: ते उडुँग वो: तन लो: गे एन बुड़िया होरा रे तिंगुवा कनेईंग नम त: ईया। उडु: केद्ईंग ने बुड़िया मिद पैसा ओमाईया: गे ठीक होबावगा। आर मियद चार आना सिकिईंग तेर: ईया। मगर नेया काईंग ठोर ल: चि नेया धोरोम कमि र: समय तन:। तेगा त: ई बिंग लेकाए कचरन तना। नेया बारि गेदो का गे, आकोआ: चोलोना कन सोबेन एपेरंग कोए कजि जदा– मुरकाटा, मुरूख आईंग के चन: असि, नि भिखारिन लेकम लेल ज:ईया?शैतान कारे....।

आईग अईउम की: तेईंग सकुब गिड़ि जना। आरिन कजियाई तना–क्षेमा ताईग मेगा एयंग, हुड़िंग गलती जना। बोंगा मेरोम लेका बो: तिरूब केया तेईंग फरोम जना। मेन्दो जी–कुकरू रे सेंगेल जुल जना। एनका रेव सिदा र: इनिया: चोलोन को चिलकाईंग रिडिंग दड़िया? आईग काई बुझाव दड़ि जना चि उसुलेन तेया: असल पेड़: के उकुतन ने बुड़िया चिलकाए जीया कना?

खूब हेड़ेमा? –कपिलमुनिया: दोरसोन तायोम ते नरियल ते बाईया कन मेठाई जोम जद लो: कजियाईंग तना। चीनी पुर: जन लेका ते हेड़ेम का ठोरो: तना बनर्जी बाबू–मुरगुई मुरगई लन्दा तब लो:ईंग कनियाई तना।

• • •

दिन–दुनिया की बातें

मैं उन्हीं लोगों के कस्बे में रहता हूं, इसलिए उसके चाल–चलन, भेद व्यवहार आदि से पूर्ण परिचित हूं। वह कुछ नहीं, मांग कर गुजारा चलाने वाली वृद्धा है। पर उसकी भिक्षावृत्ति और भीख मांगने के तौर तरीके अनन्य भिखारियों से भिन्न हैं। इसके दाता खास एवं अलग बिरादर के होते हैं। भद्र महिला सरीखे, गली के किनारे खड़े रहेगी। जब उचित शिकार आता नजर आयेगा तो अगल–बगल, दाएं–बाएं झांक कर हाथ बढ़ाते हुए एक धूमिल आवाज निकालेगी – 'किछु सहजो करबेन बाबू?' कुछ सहयोग करोगे बाबू?

उन उचित ग्राहकों में से मैं भी हूं। अब तक दसों बार उसे दान देकर पुण्य कमा चुका हूं। एक बार बनर्जी दा के साथ कपिलमुनी के दर्शन के लिए तारकेश्वर मंदिर जाने का मौका मिला था। घर से निकला तो रास्ते पर वृद्धा खड़ी मिली। सोचा इस शुभ घड़ी में उसे कुछ दे जाना ही उचित होगा। सो, एक चवन्नी का सिक्का, उसके बिना मांगे ही देने को हाथ बढ़ाया। पर पता न था कि यह अशुभ घड़ी होगी। चोट खाए नागिन की तरह वह मुझ पर फुफकारने लगी। यही नहीं, समाज के सभी प्रचलित गालियां आजमा डालीं – भेंड़ा, मोटा माथा अमा के कि भेबेच भिखारी! शैतान न होले.... ।

मैं स्तब्ध रह गया।

इधर आओ शंकर – बनर्जी दा ने पुकारा। और हम आगे बढ़ गये।

माफ कर दो मां, मुझसे भूल हो गयी है– कसाई का बकरा बन मैंने सीधा सा उत्तर दिया। पर अंतःकरण में, मेरे पक्ष का ज्वालामुखी जल रहा था। यों भी अतीत में उसके द्वारा लिखित इतिहास को कैसे भूल सकता था। समझ नहीं पाया कि जीविका उपार्जन में लगने वाले वास्तविक श्रम को अपमानित करने वाली यह वृद्धा किस मानसिकता की है।

'मीठा है?' दर्शन के उपरांत बनर्जी ने एक नारियल का पेड़ा मेरे मुंह में ठूंसते हुए कहा। चीनी की अधिकता के कारण मिठास का पता न चला, मैंने प्रसन्न मुद्रा में कहा।

• • •

उकुआकन कन कजि–कामि को

कोड़ा कोआ जनर सः रे हासु तन कोलोः निवोए पड़ावा कन ताई केना। गोयाः कन लेका। बस, होड़ो रेदो नेया चि इनियाः सयद का होकाकन ताई केना। बोः सः रे हुड़िग लेका चीज–वस्तु को पट्टा रे दोआ कन ताई केना। टिंग रः थाड़ी–मियद गिलास। बरिया अपिया सलाईड, ओड़ोः पाव रोटी को ।लतर पट्टा रे बरिया लेका शीशी कोरे रंगा, ससंग, गदेद रानु को दोवा कना। ओड़ो हुड़िंग लेका बाटम रानु को मेनाः। जपः रे इनियाः बुड़िया एंगाते दुबा कना। आईगवों मेनःईया। जपः रेगे डाक्टर कोआ चेम्बरो मेना। एना ते डाक्टर, नर्स कोआ हा..हा...ही...ही...अईमोः तना। बीबी....का का.... मोंडेयाः चिड़िया...दो...हरखू...सर....किंग साईज रीजेंट....एक पॉकेट...और नर्स बीना....जी सर...तिरिंग आते छः नंबर परकोम रेन रोग होड़ो के मरंग अलमीरा ते रानूम ओमाईया...चिलका ते सर...?जनव दो हुड़िंग अकमीराते रानुईग आमाई तना। धत पगली अम ने हेल्थ सेंटर रे नुकुरीम नम तना चि ओड़ाः रे तसद अकिरिंग नम नठ तना?ने अखबार पढ़ाव लेम चनाः ओला कना। 5 जुलाई नवा दिल्ली। स्वास्थ्य विभाग सः ते कजिवो तना चि गपा छः जुलाईया ते ड्रग स्मगलिंग रः बिरोध रे अभियान चलाब गा।...अमः हुकुम गे सर...हरखू... जी सर....एश ट्रे आगुई में...जी सर....।

नेया को आईउम जद लोः दोईग अकाबगाव तना। आईंग लेल जः ई लोः दो एंगा तेव ए अकाबकावोः तना। चिका जना मुकैया साब?हाय ताई दो... चिका जनम बेटा रे....ओह....।

हाँ...हाँ जेतव काए चिका कना काकी...एनका गे मोचो कोए....। आई इनिः गेईंग होसोड़ो जः ईया। रामू बुगि जना ने ओड़ाः ए हिजुः जना। आईयाः जोगाव जातोन लेल केयाते आईयाः कटाए सब जदा। सिरमा रे ती दोन्दो केयाते इनिः के आशीर्वादेईंग ओमाई तना। मगर हे भोगोमन चिलका तेईंग कजियाईया चि एन हुलंग आईयाः अकापकाव रः असली कारण दो एटागाः गे ताई केना। ड्रग स्मगलिंग अभियान रः जोनोका ने डाक्टर कोलोः ओपोम–अपाऊ रे मोड़े सौ टाका डुम्बुई जना। एना चलते छः लाख टाका रः ठेका आईयाः होनाः तीयाते उडुँग जना। टेन्डर मनी जमाया ताई केना।

• • •

ट्रेड सिकरेट

'मेल वार्ड' में मरीजों के साथ वह भी पड़ा हुआ है। जड़वत। बस, आदमी है तो इसलिए कि उसके धंसे हुए पेट में धौंकनी अभी रूका नहीं है। सिरहाने के रेक पर कुछ चीजें अव्यवस्थित हालत में पड़ी हुई हैं। टीन की एक थाली, एक गिलास। दो–चार स्लाईस पाव रोटी। रेक के नीचे वाले भाग में दो–चार शीशियां, जिनमें लाल, पीले, गुलाबी रंग के द्रव भरे हैं। फिर एकाध–दो सादे टेबलेट्स। पास में उसकी बूढ़ी मां बैठी है। मैं भी पास ही हूं। पास ही डॉक्टरों का चेंबर है। चेंबर से चुहलता भरी खिलखिलाहट नर–नारी के स्वर में आ रही है – वी...वी...अहँ नहीं....नहीं पांच का चिड़िया दो...हरखू... सर...किंग साईज रीजेंट का एक पैकेट ला देना...और नर्स बीना...जी सर... आज से छ नंबर बेड पर बड़ी आल्मीरा से मेडिसिन लिया करना...क्यूँ सर? रोज तो छोटी आलमीरा से...? धत पगली, तुम्हें इस हेल्थ सेंटर में नौकरी करना है कि खेत जा कर घास छीलना है। देख पेपर क्या कहता है...5 जुलाई, नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से कहा गया है कि कल छह जुलाई से ड्रग स्मगलिंग के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जाने वाला है.... जो आपका आदेश सर,....हरखू...जी सर...ऐश का ट्रे लाना...जी सर.... ।

यह सब सुन मैं अचानक चौंक उठता हूं। मेरे बौखलाहट देखकर उसकी मां नर्वस होने लगती है – का हुआ मुकैईया साब (क्या हुआ मुखिया साहब) हाय मेरे लाल, मेरे रामु...कुछ नहीं, कुछ नहीं काकी, जरा यों ही...मैं एक भोंडा आश्वासन देने लगता हूं।

रामू ठीक होकर लौट आया है। मेरी गहन आत्मीयता का प्रदर्शन जानकर वह चरण स्पर्श करने लगता है। हवा में हाथ लहरा कर उसे तसल्ली देता हूँ। पर, हे भगवान कैसे कहूँ कि बौखलाहट का असली कारण दूसरा ही था। ड्रग स्मगलिंग अभियान के संभावना से डॉक्टर के साथ लेन–देन में पांच सौ रूपए खटाई में पड़ गया। परिणाम स्वरूप छह लाख रूपये का ठेका, बेटे के हाथ से निकल गया। टेंडरमनी जो डिपोजिट करना था।

• • •

एंगा–हम्बुद

मियद राजा ताई केना। इनियाः राज दरबार रे मियद काजि कुल पराय ताई केना। हुड़िंग दिन तायोम ने अण्डाए ओम केदा। अण्डा ते मियद सुगड़ा लेकन होन होबा जना। अयर ते एंगा तेयाः काजि को होन सम्बड़ाव केदा।

दिन बिताव इदि जना। एंगा तेः बुड़िया आऊ तना। नः दो इनिः ओड़ाः रेगे गितिः गितिः ते टुन्डु सोमयेः तंगी तना। मुसिंग नः दो गोमके राजा मियद गोनोंगः आन काजि कुल मेन्ते पराय होन के एया जलाकार परोमेः कुल किया।

गोए परकोमा तेगे होन के जलाकर परोम सेनोः रःय हुकुमाई तन लोः एंगाते कजियाई तना– हे बेटा सेनोः में, मगर होरा गे एन जलाकार कोतः ते अरजी में चि नेसा सिरपल होएवो को आलोए कुले। चियः चि एन रे अमः ओड़ाः आलो ओटंगवोः।

होन सेनोः जन तायोम तेगे एंगाते बंगाई जना। ओड़ाःए हिजुः रूड़ा लेना दो दुआर रे बिंदिर जाल हका कना। भीतरेः बोलो केना दो एंगा तेयाः रेंके रेड़ेः जंग को बारि गेया। आर एना को जमा केया ते कुड़म रे हम्बुद केदा।

• • •

मां की ममता

एक राजा था। उसके दरबार में एक संदेशवाहक कबूतरी थी। कुछ दिन पश्चात वह अंडे देने लगी। अंडे में से एक सुंदर सा बच्चा निकल आया। आगे चलकर मां का काम बच्चे ने ही संभाल दिया।

दिन बीतते गये। मां बूढ़ी हो चली थी। वह घर पर पड़ी–पड़ी अपना अंतिम दिन गिन रही थी। उसी क्षण राजा साहब ने बच्चे को एक महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाने के लिए सात समुंदर पार जाने को कहा। मृत्यु संशय से ही बच्चे को जाने की आज्ञा देते हुए मां ने कहा – जाओ, मगर उन समंदरों से याचना करो कि वो अपनी दुष्ट हवाएं इधर न भेजें। ताकि आंधी में तुम्हारा घर धंस न जाए। बेटे के जाने के बाद मां चल बसी।

वापस घर लौटा तो दरवाजे पर मकड़ी का जाल फैला हुआ था। अंदर जाकर मां की बची हड्डियों को चुनकर छाती से लगा लिया।

• • •

कुरि: तले रूतु ओरोंग नि: दो?

गंगा मुखिया अया: बोडो कुड़ि हुड़िंग कामि—पाईटी र: जगर को बुझाव ज: ई लो: ए कगियाई तना—सावित्री नेका गोटा सिंगि दुब को: रे कामि का चलावगा। लाई: असुल नगेन जाँ न: दो रिका होबावगा। होला सेठ सूरजमल के पीठ रे तारोब जंग र: गोदाम खोलाब नगेनेईंग काजि त: ईया। सोना रे सुगाड़ा बुझवोन में, मिद पुड़ु: तारोब जंग रे उपुन पुड्डु बुलुँग। आमो सेकेंड़ा नेया धन्धा रे हड़ागुन में।

सावित्री हुड़िंग आबा तेया: काजि चिलकाए तेर गिड़िया?मयंग रे मिद सिरमा ताला रेन गौरी हेबे किया ते, तुम्बा रे नुईया: दा इदि केया ते तारोब जंग हलंग बिर त: सेनो: जना।

कडंग लेका जेटे कल कल रे, गौरी के कोदे लद आर तुम्बारे द: होपोर तुकाई चि तारोब जंग हलंग रे अद जना। ना: बारिया अपिया जंग गे: जमा तद ताई केना चि गौरीया: र: आईमो: तना। हिजु केया ते: लेल जदा दो सोबेन द: को हिरि:या कना। ओह! होन चिलका तेईंग हपिया? ओको रे द: नमोवा? एन लो शहर स: ते गाड़ी र: साड़ि आईमो: तना।

'अरे बिटि अम नारे? नमिन जेटे लोलो रे?'

'हे काका अम गेदो कजिया लि: ईया चि तरोब जंग.... ।'

'होन चना मेन्ते र: तना? साते रे होन जोमेया कोम आउना चि का गे?'

'काका द: नगेने: र: तना। अबेन त: रे मेन: रेदो.... ।'

'सेठ जी नि आईया: बोड़ो कुड़ि तनि: । बपुड़ि द: नगेन होन तय र: तना। ने फ्लास्क र: द:....?'

'अरे मुखिया जी काजि तम ठीक गे होनंग। मेन्दो अमगे काजि में चि अलंग दो किशन जीया: दोरसोन नगेन लंग सेनो: तना। यदि होन के तोवा लंग ओम को रे दो किशन कए खयरवा?'

'हे सेठ जी ठीक गेम काजि...हे...हे..हे..हे..'

'ऊँ हूँ, हिजुः तन रे मार....।'

सावित्री चनः य चिकाए...चन...ए चिकाए मेने–मेने लोः दो अयर रे गाड़ी दारू रे तुगुड़ी केदा। मुखिया दोए गोए जना। सेठ जी आः कुड़म रे स्टियरिंग छापा कना। तोवा रः फ्लास्क संगिन रे तेर गिड़िया कना। सेठ जी माड़ी तेः जगर जदा – सावित्री नेते हिजुः में। तोवा सरेया कन रेदो होन ओमाई में। साते रे आई केवो अनुताईंग में....शहर सेन केयाते थाना रे पुलिस....।

• • •

कहां है मुरलीवाला रे!

मुखिया अपनी विधवा भतीजी को कुछ काम की बातें बता रहा था – सावित्री इस तरह सारा दिन बैठे रहने से काम न चलेगा। पेट के लिए कुछ न कुछ तो कर। कल सेठ सूरजमल से बाजार में चार के बीज का डिपो खोलने के लिए कह आया हूं। सोने में सुहागा समझो, एक दोना बीज और चालीस दोना नीमक तू भी शीघ्र धंधे में लग जा।

सावित्री काका की बात क्यों न मानती। कमर पर डेढ़ साल की गौरी, हाथ में लौकी के तुम्बे (पानी रखने वाला बोतल) में पानी भर, चल दी जंगल, चार बीज का धंधा करने।

चिलचिलाती धूप में वह गौरी को मडुए की रोटी तथा तुम्बे के जल के साथ बिठा कर अपने बीज चुनने में खो गयी। अभी पांच–छहः ही बीज चुन पाई थी कि गौरी के रूदन ने खलल पैदा करना शुरू कर दिया। आकर देखा तो सारा का सारा पानी गिर कर समाप्त। अब क्या होगा? बच्ची कैसे चुप होए? पानी कहां मिले? इतने में शहर की ओर से कोई गाड़ी आने की आवाज आयी।

–अरे बिटिया तू यहां? इतनी धूप में?

–हां काका आपने ही तो कहा था कि....

–बच्ची क्यों रो रही है, खाने–पीने का सामान साथ में लायी है या नहीं?काका पानी के लिए यह...आप दोनों के पास यदि......

–सेठ जी, यह मेरी भतीजी है। बेचारी पानी के लिए बच्ची रो रही

है। उस फ्लास्क में....? अरे तो मुखिया जी बात तो ठीक है, पर आप ही बोलिये न, हम तो कृष्ण जी के दर्शन को जा रहे हैं। यदि बच्ची को दूध दे दिया जाये तो कृष्ण जी नाराज न हो जायेंगे?

हां.....से...सेठ जी बात तो ठीक है .....।

ऊँहूँ बिटिया लौटती बार जरूर.....।

सावित्री किंकर्त्तव्यविमूढ़ अवस्था में खड़ी–खड़ी उन्हें देख ही रही थी कि एकाएक जीप पेड़ पर जा लगी।

मुखिया का काम तमाम हो चुका था। सेठ जी की छाती पर स्टियरिंग का स्टाम्प लगा हुआ था। दूध का फ्लास्क दूर जा पड़ा था। सेठ जी धीमी आवाज में बड़बड़ा रहा था– स...सावित्री इधर आ...आ...। दू...दूध बचा हो तो...तो बच...बच्ची को दे देना। कुछ मुझे भी...। शहर जाकर पु...पुलिस को......।

● ● ●

गोल घेरा फिल्म रेन दंगिड़ि कुड़ि

मियद फिल्म निर्देशकः कुड़ि ते मियद फिल्म हिरोईन लो खूब सोंगे किंग ताई केना। इनिः हिरोईनः अचका गोनोए आईउम केतेः रः तना– हाय बिंदु ओको तेम सेनोः जना? आईवो साते कम इदि तोरसा किः ईंग। अम वे दिसुम रे चनः चनः काम रिका कदा। ओको इमतंग विलायती मेम साहिबा ओको रे दो– डोन्डो हातु कुड़ि होन। ओकोरेदो बिर कन्दर कोरेम दुरंग बेड़ा लः। ओको रेदो लो तन गितिल रेम लो मिसा लेना। ओको रेदो राज महल रेन रानीम बाई केना...ओको रेदो गुईउ रेन रंडीम बाई केना। आर नाः दो आई बागे किंईंग चि कोतेम...। एन लोः देया सः ते कोड़ा ते हिजुः लेना आर रः तन रः कारण के कुलि जः ईया।

हे तलंग अम कम इतुआ ना आईया सोंगे बिंदु....

होकाए में, होकाए में तलंग। इनिः काए गोयाः कना। इनिः दो बिंदुआ ते गोल रे बदली जना। गोल घेरां फिल्म रे इनिः पुरः गे मजाए पाठ तदा। दोला लंग लेल आऊ कोआ। इनियाः एनेंटेः शो होबाव तना।

'सरते गे?'

'हे'

'तोबो दो दोला।'

'...आर बरंन किन बिन्दुआः हासा होड़ोमो गोः रेकिंग जमान जना। कुड़ि ते कजि केदा–सरते गे बिंदु नः दो गोल घेरा रे बोलो जना। दिसुम जोका तेयाः गोल घेरा रे।'

● ● ●

परिधि फिल्म की नायिका

एक फिल्म डायरेक्टर की पत्नी की किसी फिल्म तारिका से गहरी दोस्ती थी। उसकी असमय मृत्यु से दुखित वह सिसक रही थी – हाय बिंदु! तुम कहां चली गयी? मुझे भी साथ ले जाती। तूने क्या–क्या नहीं किया इस जगत में। कभी विलायती मेम साहिबा तो कभी फूहड़ देहाती महिला। कभी वनफूलों में फिरती रही तो कभी जलते रेगिस्तान पर तड़पती रही। कभी राजमहल की रानी तो कभी कुटिया की विधवा....और अब? मुझे छोड़....।

इतने में पति महाशय आ टपके और रोने का कारण पूछा। – आप नहीं जानते, मेरी सहेली बिंदु की....।

बस–बस चुप भी रहो। वह मरी ही कहां है? वह तो बिंदु से विशाल परिधि में परिणत हो गयी। परिधि नामक फिल्म में क्या ही शानदार रोल अदा की है, उसने। चलो देख आयें। उसका रिहर्सल है आज।

'सच!'

'हाँ!'

दोनों बाहर निकले। और बिंदु की शवयात्रा में शामिल हो गये। आंखें मलते हुए पत्नी ने कहा – सच, बिंदु अब विशाल परिधि में बदल गयी। पृथ्वी को नापने वाली परिधि में।

• • •

कोतेम सेने एनते होरा तम

अचका गे एंगाते दुडुमातेः विरिद लेन चिः लेल जः ईया चि मियद तोवा नु बिंग इनिः के नुनु जःईया आर चदलोम दो होनः मोचा रे मेनः।

बाबा रे बाबा बिंग.... कुला रचः में...बिंग सोया....इनिः के गोए नगेने जोका कना। एन लो दो बिंग मेताई तना चि हों...गोएईंग सिदा रे मियद आईयाः जगर आईउम लेम। अगर अम दुडुमाकन सोमय रेगे अमः होन के विषीईग ओमई रेदो! अगर अमः तोबा रेवो बिसीईंग जमा केद रेदो।

अरे हे, अम ठीक गेम काजि जदा। अम दो दुश्मन दो का, सोंगे तनिः। देला हुड़िग जोम नू लेम। एनाते सेनोः में। एंगाते बिंग के बर–अपि मा सोवा–मण्डि खियाब पियाव किः खूब बेः मोटो किया। आर बिग लता हबिः इदि तुकाः ईया।

लता ते बिंग लन्दा तन लोःए जगाराई तना– डोन्डो मनोवा, अम कम इतुआना चि आईग विषियान बिंग का तनिः। एंगा अयाः मोलोंग तबिड़ि केयाते ओड़ाःअ रूड़ा जना।

• • •

जहां चाह वहां राह

अचानक सोए से मां उठी तो उसने देखा कि एक दूमुंहा सांप उसके स्तन से दूध पी रहा है, और पूंछ बच्चे के मुंह में डाल दिया है।

बाप रे बाप सांप....मरदूत, साले को...उसे मारने ही वाली थी कि सांप बोला –ठहरो एक बात आगे सुन लो। अगर सोऐ में तुम्हारे बच्चे के मुंह में विष डाल दिया होता तो? अगर तुम्हारे स्तन में भी विष मिला दिया होता तो?

अरे हां, तुम ठीक कह रहे हो। आओ तुम दुश्मन नहीं अतिथि हो। आओ कुछ खा पी लो। मां ने उसे दो दिन तक दूध–भात खिला–पिला कर मोटा कर दिया था। फिर बिल तक पहुंचा दिया।

बिल से सांप ने ठहाका मारा – मूर्ख, तुम नहीं जानती कि में विषधर सांप नहीं हूं। मां, माथा पीट कर वापस घर लौट गयी।

• • •

राजनीति इतुआन निः

चुनाव जपः रेगे ताई केना। मंत्री गड़ा परोम हाई टुकुब गासी को टोला रे सेनोः जना। सभा रे इनिः भाषणेः ओम जदा – लेलेपे अपेयाः जीबोन दो हाइ को ताईन झील रः दः लेका तेता ओड़ो बुगिन मेनाः। नागे पोन्डेया ना गे होसोड़ो चेन्टा। अपेया काजि को ओकोए काए पतिया?अगर निसुकनो दुब नेयाः कुर्सीग नम केदा तोबे दो पक्काईग जगारे पे तमा चि ओड़ाः ओड़ा नायलॉन रः जाल, बिमा पैसाईग ओमा पेया।

ताली रः गड़गड़ाहट बीच रेगे मंत्री जी मचा तेः हड़गुन जमा। रूड़ा तन रे गड़ा रे अयाः गोनोग आन ती रः मुन्दम उईउः जना। डोंगा चलाव नियाः सलाह ते ओड़ोः टोला रेः रूड़ा जना आरे काजिया को तना – अपे हाले को, होबावगा, रोकोए ओकाव दड़िया? आईयाः मिद लाख रः सोना रः मुन्दम गाड़ा रे उईउ जना। ओकोए पे नमेया इनिः के पांच हजार टाका बख्शीशईग ओमाईया। नेया बारि गेदो का गे यदि सनंग रे दो पार्टी सः ते टिकटिंग नम रिका दड़िया पेया।

नेया काजि आईउम केद लोः गे सोबेन को गाड़ा रे को ओयरेन तना। सेतः सेतः रेगे ठनकु राम बाजीः दडि जना। मंत्री जीअः मुन्दामे नम रूड़ा केदा। मगर ठनकु राम के बख्शीश आर टिकट ननम रः बाकी मेनाः।

मंत्री जी निसुकनोः ए दड़ी जना। ढाई सिरमा होबा जना गन्डु रे दुबा कन। मेन्दो नाः जकेद ठनकु रामः बख्शीश नॉयलान जालोम रेगे फंसेया कान गेया। पार्टी टिकट नगेन पार्टी रेन मरंग गोमके ठनक चौधरी लोः जगार सेसेन तना।

• • •

राजनीतिज्ञ

'इलेक्शन' सन्निकट था। मंत्री जी नदी पार मछुओं की बस्ती गये। सभा में वह बोल रहे थे – देखो! आप लोगों का जीवन तो झील के पानी समान स्वच्छ और पारदर्शक है। न गंदगी, न कपट। आपकी बात कौन न सुने?यदि इस बार भी सत्ता में आया तो मेरा पक्का वादा रहा कि आप के घर–घर में एक नायॅलान का जाल मुफ्त वितरण कर दिया जायेगा।

मंत्री तालियों की गड़गड़ाहट के बीच स्टेज से उतर आये। लौटती बार नदी में उनकी बेशकीमती अंगूठी गिर पड़ी। मल्लाह के सुझाव से फिर बस्ती लौटना पड़ा। ...सज्जनों, होनी को कौन रोक सकता है?मेरी एक लाख की रत्नजड़ित अंगूठी नदी में....जिन सज्जन को प्राप्त होगा पांच हजार इनाम दिया जायेगा। यही नहीं, यदि काबिल हो तो पार्टी के टिकट दिलाने का भरसक प्रयास करूंगा। यह सुनते ही सभी की आंखें नदी में गोता लगाने शुरू कर दिया। सुबह ठनकु राम ने यह बाजी मार ही लिया। मंत्री जी को अंगूठी मिल गयी। पर ठनकु राम को टिकट मिलना अभी बाकी है। मंत्री जी को दोबारा कुर्सी मिल गई है। ढाई साल हो गये कुर्सी संभाले। पर अभी तक ठनकु राम का बख्शीश नॉयलान जाल में फंसा हुआ है। पार्टी टिकट के लिए पार्टी अध्यक्ष ठनकु चौधरी से बातचीत चल रही है।

• • •

मोराई गोड़ा रे गुरु जी

....इम तंग अले 'टीन्थ एजर' रेले ताईः केना। सोबेन को अपन–अपन असुलेन होरा रः ले उडुः बिचार तना। ओकोए किसान बाईन मोने जःईया। ओकोए डॉक्टर बाईन मोने जःईया। ओकोए इंजीनियर बाईड मोने जःईया। ओकोए नेता, ओकोए समाज सेबक.... ।

ने चों–चों रे आईबोगे आईया अयर रः होराईंग उडुबः कोआ–आईंग हा...हा... हा....आईग मरंग ओलोल निः बाईन मोने जः ईया। सोजे होरा। पुरः पुरः साबाईसी।

खूब बुगिनो में। खूब बुगिनोः में। किसाड़ाँ बाईन तन बोकाराम आई केः चुलु रकब जःईया।

आईग बुझावो तना चि सरते गे आईंग ठीक होरा तेईंग सेनोः तना। आर आईयाः हातु रेन सोबेन सोंगे को बागे केकोवा ते शहर तेईंग सेनोः जना। शहर रेन ओओल कोआः जोनोका ओलेईंग अचुन जना। मेन्दो जेता सः तेव बुगिन जगर का हिजुः तना। सम्पादक को सः ते प्रेम रः लटब ते सोबेन इमतंग आईया अक्षर को लटब ओदोः तना – अमः ओल काले छपा दड़ियाः नेया नेगेन अलेब दुकु रेलेया, जोआर।

आर असादी जन चि मुसिंग ओड़ा तिंग हिजुः रूड़ा लेना। होरा रे जेटे कल कल रे गोड़ाए पटाओ तन बोका राम लोः भेंट होबा जना, आर लिंग, जपागार तना।

चिया चिमिनंगएम ओल हुन्डि केदा?

कागेया, मियादो आउरि गे। मगर नेः गे होबावगा। अमागः दो चिकन हाल?

आलोम कुलिंग खबरिंगआ हाले। होड़ो दः नगेन को निरबेड़ा जदा। अड़ाः ओकोए पुछाव जदा? रसाले किलो रे उपुन टाका निर देः जना। मोःराई गोड़ाईंग पटाव तना।

तोबे दो रोड़ रेगे जंग हेर तम आर चेतन रे दः पटाव में! निमिन सदावन रः चिकन जरूरत?

कागे हाले एनका दो कागे। नेका ठीक तैयारी का तनः। जंग रः बलेः दारू नगेन ओते लेबेः होना चाहिए। नेया नगेन ते ओते पोलोको होना चाहिए।

चियाचि दारू होन सेकेड़ा–सेकेड़ा रकबदाडी का।

ओते पोलोको....?

सेतः अंग जन लोः गे शहर तेईंग छुटावोन जना आर जी ओम केयाते ओल रिंग जुटाओन जन। हुड़िंग दिन तायोम तिंग सेल जदा आईयाँः इरालिया लाईन को छापा कःईया। आईग बुझावोन जना चि आईयाः नगेन दो ने कोड़ा गे मरंग गुरू तनिः। ओतेन के पोलोको...।

• • •

मूली के खेत में गुरुजी

....तब हम 'टीन ऐजर' के थे। सभी अपने–अपने कैरियर के विषय में सोच–विचार करने लगे। कोई कहता, किसान बनूंगा। कोई कहता, डॉक्टर बनूंगा। कोई कहता, इंजीनियर बनूंगा। कोई नेता, कोई समाज सेवक....आदि...आदि।

इस चिल्लपों में मैंने भी खोल डाला अपने भविष्य में लिखा जाने वाला इतिहास का पृष्ठ...मैं? हां...हां...मैं बनूंगा, विद्वानों के समक्ष प्रतिष्ठा पाने वाला महान लेखक। सीधा सपाट रास्ता। ऊंची प्रतिष्ठा। बधाई हो आपको – भावी किसान बोकाराम ने कहा। मुझे लगा कि मैं राईट पाइंट में हूं। अपने ग्रामीण चेले–चपेटों को छोड़ शहर चला गया। शहर में लेखकों की नकल करता रहा। पर कहीं से भी शुभ समाचार प्राप्त नहीं हुआ। संपादकों की प्रेम कैंची से मेरा स्वर्ण अक्षर हमेशा कलम होता रहा – हमें खेद है कि आपकी रचनाएं....

अंत में एक दिन गांव की राह ली। गांव के किनारे धूप में खेत पटाते हुए बोका राम ने पूछा – कितना लिख मारा?

मैं – हूं अभी नहीं, मगर निकट भविष्य में....। तुम्हारा क्या हाल है?

बोकारामा – यार मत पूछो। पानी के लिए आदमी तड़प रहा है। सब्जी की कौन पूछे? रसाले किलो के चार रूपये चढ़ गये हैं। सोने में सुहागा। मूली के लिए खेत पटाई हो रही है।

मैं – तो सूखे में ही बीज डाल देता और ऊपर से पानी छिड़क

देता। इतना कष्ट करने....?

बोकाराम – ना, यह उपयुक्त तैयारी नहीं है। बीज के अंकुरण के लिए मिट्टी गीली ढीली होनी चाहिए। इसके लिए जमीन को गहरी खोदी जाती है ताकि अंकुरण का फैलाव–प्रसार यथानुसार हो सके। जमीन को गहरी....?

सुबह फिर शहर भाग आया। दुबारा कोशिश में जुट गया। कुछ दिन बाद देखता हूं आठ लाईन की मेरी एक रचना छपी हुई है। मेरे लिये यही लड़का गुरू है। जमीन को गहरी.....।

• • •

दुरंग को कोरे अद जना?

शहर हिजु: सिदा रे आईंग उरि: कोईंग गुपि तन ताई केना। हिसि मोड़े सिरमा तायोम ते आईंग ना: हातुईग रूड़ा कना। हिजु केते सोबेन मुलि बदली–बदलीईंग लेल जदा। बिर कोरे होन कोलो: इसि–सिकिड़ि लन्दा–जगारो चबा जना। बिर कोरे दुरंग को का आईयो: तना। दंगिड़ि कोलो: लन्दा जगार केन सेरेंग वो पुटुस को ने तोपा जना। उरि: हराउ केको आते होन कोलो: उकु इनुग राजारे दिरि को द: ते चापी उडुँग जना। बिर कोरे सोसो–बका: को का लेलो: तना। जनर कोरे दुरंग बेड़ाए दंगिड़ि होन को कोत: कोरे अँड़दिन जवा। ओकोआ को ताई केना एना दो लाई असुल र: हुनर बारि गे। हातु दिसुम र: नेया दशा लेल केयाते जीरे इसु पुर: ई दुकु जना। सेन सेन ते होरा रे मियद कुड़ि होन सोसो दारू बुटा रे दुबा कनेईंग नम त: ई चिंग कुलि ज:ईया–

'चन:म चिका तना मई होन?'

'होरो तनाईंग।'

'मेन्दो सिदा दो ने सोसो बरदुड़ियद कोगे को जोम, जद ताई केना।'

'हे दादा! ना: दो जोजोम होड़ो कोबु संगि जना।'

'नेयाम चिकाया?'

'पीट रेईंग अकिरिंगया।'

'आर?'

'चाउलींग किरिगया।'

'अम: एयंग–आबा ताको?'

'एयंग मेन:ईया। आबा दो होन्देर झाड़ा ने बंग:ईजना।'

आईया जी उडु: ने अलय–बलय जना– ने होन के चन:ईंग मेताई?

बरिया दुरंग लेमेईंग मेताई चि मिद मोचा लंदा लेमेईंग मेताई? चि तिसिंग आईउब उकु–दनंग इनुंग कोआ?

• • •

गीत कहां खो गये?

शहर आने के पहिले मैं चरवाहा था। पच्चीस साल बाद, आज साहब बन कर गांव आया हूं। यहां आकर कण–कण में बदलाहट देख रहा हूं। वन–कुंजों में वह खिलखिलाहट गायब है जो प्रायः हम प्रेमी–प्रेमिकाओं के बीच बतियाते–बतियाते निकल जाया करता था। गोधूलि के बाद लुका–छिपी खेल भी बंद हो गया। पहाड़ के ढलान पर समतल पत्थर के चबूतरे पर गीत गाने वाली वो भी जाने कहां संसार बसा गयी होगी। जो कुछ था, बस क्षुधा शांत करने की धुन। जाते–जाते बेलवा वृक्ष के नीचे बैठी एक बाला से पूछता हूँ–

'क्या कर रही हो?'

'रक्षा कर रही हूं।'

'लेकिन पहले तो यह फल चमगादड़ ही खा जाया करते थे।'

'हां भईया यह खाने वालों की संख्या बढ़ गयी है।'

'इसे क्या करोगी?'

'बाजार में बेच आऊंगी'

'और?'

'चावल खरीदूंगी।'

'मां–बाप?'

'मां है! बाप तो झारा से मर गया।'

मेरा मन कुलबुलाने लगा – क्या इस बाला से कहूं कि गीत सुना दे या खिलखिला कर बात करे या शाम को लुका–छिपी खेलने को कहे?

• • •

झारखण्ड झरोखा द्वारा प्रकाशित पुस्तकें :—

मुण्डारी :—लेखक : पद्मश्री डॉ. राम दयाल मुण्डा — मुण्डारी पाठ, मुण्डारी व्याकरण, प्रीत पाला—रामायण पाला—(बुदु बाबु और उनकी रचनाएँ), सेलेद, हिसिर, ए'अ नव कानिको, मुण्डारी शब्दकोश।
लेखक : मंगल सिंह मुण्डा — रंगा चौडल रेन पुतुल, हड़द सुकु, दुरंग को कोरे अद जना?, कमिनाला, मुण्डारी सीखें—विसेश्वर मुण्डा।

हो :—हो कोअः कजि—जुड़ि कजि को—डॉ. आदित्य प्रसाद सिन्हा, हो सीखें—दमयन्ती सिंकु।

संताली :— संताली भाषा अन्वेषिका—डॉ. के. सी टुडू।

कुडुख :— ख़ली अयंङ—इन्द्रजीत उराँव, पुना ख़ोर—इन्द्रजीत उराँव, पुरखा कत्थ डण्डी—डॉ. नारायण भगत, पुरखा गढ़े—डॉ. नारायण भगत, झारखंड ओंद नजाइर—डॉ. फ्रान्सिस्का कुजूर, नानी गही मानी कत्था—डॉ. नारायण भगत, कुडुख़ सिखें — भिखू तिरकी।

हिन्दी — कुडुख़ सरना धर्म एवं संस्कृति—भीखू तिरकी, भूमिपुत्र — डॉ. बी. सी. शर्मा, झारखण्ड की आदिम जनजातियाँ—डॉ. बी. सी. शर्मा, झारखण्ड की जनजातियाँ—डॉ. बी. सी. शर्मा, छोटानागपुर के प्राचीन स्मारक — डॉ. भुवनेश्वर 'अनुज', झारखण्ड के शहीद — डॉ. भुवनेश्वर 'अनुज', नागपुरी लोक साहित्य — डॉ. भुवनेश्वर 'अनुज', झारखण्ड की सांस्कृतिक विरासत—डॉ. गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज', झारखण्ड का संगीत (वाद्ययंत्र एवं लोकनृत्य) — डॉ. गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज', साहित्य के तत्व और आयाम—डॉ. बी. पी. केशरी, नागपुरी का आधुनिक साहित्य (प्रफुल्ल कुमार राय के संदर्भ में) — डॉ. उमेश नन्द तिवारी, जिन्दगी..... मेरी कविता (हिन्दी कविता, संग्रह), डॉ. संतोष जैन, राजेन्द्र यादव के उपन्यासों में नारी — डॉ. रूपाश्री मौलिक खेतान, कुरमाली मुहावरा एवं कहावतें—सं. डॉ. एच. एन. सिंह, कुरमाली लोक गीत — डॉ. संतोष जैन, कुरमाली कृष्ण—काव्य : परम्परा एवं वैशिष्ट्य — डॉ. विजय कुमार मुखर्जी।

लेखक परिचय



नाम : मंगल सिंह मुण्डा

जन्म स्थान : रंगरोंग, खूँटी (झारखण्ड)

शिक्षा : बी. ए.

व्यवसाय : द.पू.रे. गार्डनरीच, कोलकाता से 2005 में सुपरवाईजर पद से अवकाश प्राप्त।

प्रकाशित पुस्तकें :

हिन्दी : 1. छैला सांदु (उपन्यास)

2. महुवा का फूल (कहानी संग्रह)

मुन्डारी : 1. कामिनाला (काम की खोज में) नाटक।

2. हड़द सुकु (तीता लौकी) मुण्डारी–हिन्दी कहानी संग्रह।

3. दुरंग को कोरे अद जना? (गीत कहाँ खो गये?) मुण्डारी–हिन्दी लघुकथा संग्रह।

सम्प्रति – फिल्म–पटकथा एवं स्वतंत्र लेखन।

Publisher :-

Jharkhand Jharokha

Shop No. D.G. 03, New building, New Market
Ratu Road, Ranchi (Jharkhand),Pin-834001
Mob. - 09973112040, 09471160792
E-mail : jharkhandjharokharanchi@gmail.com

ISBN : 978-93-81720-30-1

978-93-81720-30-1